mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-113 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

26 अप्रैल 2025 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

मेरा देश और उसका...

@ पेज 7

'राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट ने झन्नाटेदार चांटा मारा'

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को वीर सावरकर मानहानि केस में कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान राहुल गांधी की आलोचना की और उन्हें भविष्य में गैर जिम्मेदाराना बयान से बचने की सलाह भी दी। अब राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट की ओर से लगाई गई फटकार पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का बयान सामने आया है। फडणवीस ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को झन्नाटेदार चांटा मारा है।

● कांग्रेस नेता पर क्यों भड़के सीएम फडणवीस?

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा- ÷स्वातंर्त्यवीर सावरकर का अपमान करने वाले राहुल गांधी को जिस तरह से सुप्रीम कोर्ट ने झन्नाटेदार चांटा मारा है, इसके लिए मैं सुप्रीम कोर्ट का बहुत आभार व्यक्त करता हूं। राहुल गांधी लगातार क्रांतिकारियों का अपमान करते हैं। जिस भाषा का राहुल गांधी ने इस्तेमाल किया है उससे देश आहत है। उम्मीद करता हूं की लाल संविधान लेकर घूमने वाले राहुल गांधी अब तो कम से कम सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करेंगे।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए राहुल गांधी को दी चेतावनी दी है कि वह स्वतंत्रता सेनानियों के इतिहास को समझे बिना इस तरह का बयान नहीं दे सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि अगर राहुल गांधी ने फिर ऐसा बयान दिया तो हम स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि खुद महात्मा गांधी ने सावरकर को सम्मान दिया था। वहीं उनकी दादी इंदिरा गांधी ने उनको खत लिखा था।

यहां समझें पूरा मामला: दरअसल, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने साल 2022 में महाराष्ट्र के अकोला जिले में एक रैली के दौरान स्वतंत्रता सेनानी वीडी सावरकर के खिलाफ बयान दिया था। इसके बाद पेशे से वकील नृपेंद्र पांडे ने राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। इस मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ जारी समन को रद्द करने से इनकार कर दिया था। राहुल गांधी ने इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी। कोर्ट ने शिकायतकर्ता नृपेंद्र पांडे और उत्तर प्रदेश सरकार को भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में रूस के दूतावास ने जारी की एडवाइजरी

रूस (एजेंसी)। कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत ने कड़ा रुख अपनाया है जिससे पाकिस्तान में खलबली मच गई है। भारत के सख्त तेवर को देखते हुए पाकिस्तान में रूस के दूतावास ने एडवाइजरी जारी की है। रूसी दूतावास की ओर से जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि रूसी नागरिक

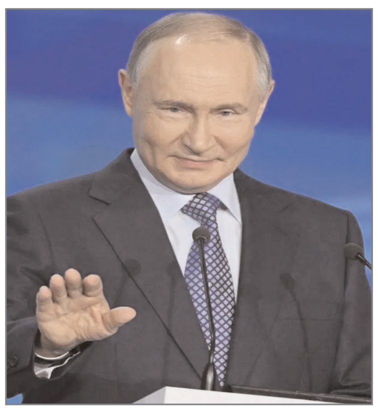

पाकिस्तान आने से बचें। इससे पहले अमेरिका ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद अपने नागरिकों के लिए ट्रैवल एयवाइजरी जारी की थी। अमेरिका की ओर से जारी की गई ट्रैवल एयवाइजरी में नागरिकों से कहा गया था कि वो भारत-पाकिस्तान सीमा के 10 किलोमीटर के दायरे में यात्रा ना करें। अमेरिकी नागरिकों के लिए यह एयवाइजरी बुधवार को जारी की गई थी। इस बीच यहां यह भी बता दें कि, भारत सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए 1960 में हुई सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया है। बृहस्पतिवार को इसकी आधिकारिक अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। इससे पहले बुधवार को भारत ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर पाकिस्तान के खिलाफ कड़े कदम उठाते हुए संधि को निलंबित करने सहित कई अन्य फैसलों की घोषणा की थी।

मॉस्को में हुआ बड़ा हमला, बम धमाके से कर दी गई पुतिन के जनरल की हत्या

मॉस्को (एजेंसी)। रूस की राजधानी मॉस्को में एक कार में विस्फोट हुआ है। इस धमाके में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सीनियर जनरल की कथित तौर पर हत्या कर दी गई है। जिस वक्त कार में धमका हुआ

उस दौरान 59 वर्षीय रूसी लेफ्टिनेंट जनरल यारोस्लाव मोस्कालिक वहां से गुजर रहे थे। विस्फोट की वजह से कार कई मीटर तक हवा में उछल गई। विस्फोट के बाद मौके से ढ्ढश्वष्ठ का इस्तेमाल किए जाने के सबूत मिले हैं। रूसी आपातकालीन सेवाओं का कहना है कि बरामद विस्फोटकों की शक्ति 300 ग्राम से अधिक टीएनटी के बराबर थी। धमाके में दो लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं। रूसी मीडिया का कहना है कि स्थानीय लोगों ने कई और विस्फोटों की आवाजें भी सुनी हैं। मोस्कालिक सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के मुख्य संचालन निदेशालय के उप प्रमुख थे। अभी भी स्पष्ट नहीं है कि विस्फोट किसने किया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि विस्फोट इतना तेज था आसपास बनी इमारतों की खिड़कियां भी टूट गईं। यह घातक हमला ऐसे समय पर हुआ है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ पुतिन से मिलने वाले हैं। यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए रूस के साथ वार्ता के दूसरे दौर के लिए विटकॉफ मास्को में हैं।

दिल्ली के नए मेयर बने भाजपा के राजा इकबाल सिंह, डिप्टी मेयर पर भी कब्जा

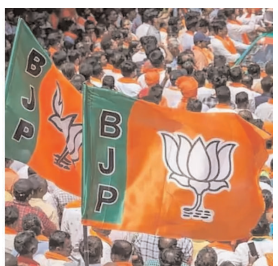

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रशासित प्रदेश दिल्ली के मेयर पद पर दो साल बाद भारतीय जनता पार्टी की वापसी हो गई है। भाजपा के राजा इकबाल सिंह दिल्ली के नए मेयर बन गए हैं। बता दें कि शुक्रवार 25 अप्रैल को दिल्ली में मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव के लिए वोटिंग हुई है। मेयर के पद पर राजा इकबाल सिंह विजयी हुए। वहीं, डिप्टी मेयर के पद पर भी भाजपा के जय भगवान यादव की जीत हो गई है। राजा इकबाल सिंह का दावा है कि भाजपा भ्रष्टाचार को खत्म करेगी और बीते दो वर्षों से रुके हुए सभी कार्यों को पूरा करेगी। दरअसल, आम आदमी पार्टी ने दिल्ली के मेयर चुनाव का बहिष्कार किया था। AAP ने भाजपा पर तथाकथित ट्रिपल इंजन पाव के दम पर नगर निगम चुनावों का तमाशा बनाने सत्ता हथियान का आरोप लगाया है। इसके बाद चुनाव में कुल 142 वोट पड़े थे। शुक्रवार को चुनाव के लिए हुई वोटिंग में राजा इकबाल सिंह को 133 वोट मिले। उनके खिलाफ चुनाव लड़ रहे कांग्रेस के मनदीप सिंह को केवल 8 वोट प्राप्त हुए। वहीं, एक वोट इनवेलिड हो गया। दिल्ली MCD में डिप्टी मेयर के पद पर भी भाजपा की जीत हो गई थी। चुनाव में भाजपा के जय भगवान यादव निर्विरोध डिप्टी मेयर चुने गए हैं। दरअसल, कांग्रेस की उम्मीदवार अरीबा खान ने अपना नाम वापस ले लिया।

गृह मंत्री अमित शाह ने की जलशक्ति मंत्री के साथ बैठक

भारत सरकार ने सिंधु नदी जल समझौते को तोड़ा,एक बूंद पानी भी नहीं जाएगा पाकिस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में आतंकी हमला और बेगुनाहों की बेरहमी से हत्या पाकिस्तान को भारी पड़ रही है। भारत सरकार ने सिंधु नदी जल समझौते को तोड़ दिया है और इस बात की तैयारी शुरू कर दी है कि पाकिस्तान को बूंद-बूंद पानी के लिए भी तरसा दिया जाए। इस मामले को लेकर शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल के साथ बैठक की है। दोनों नेताओं की बैठक में इस बात पर विस्तार से चर्चा की गई है कि एक बूंद पानी भी पाकिस्तान नहीं जाने दिया जाए।

अमित शाह और सीआर पाटिल की बैठक में ये तय हुआ कि पानी रोकने के हर तरीके पर तुरंत काम शुरू कर दिया जाए। दोनों नेताओं के बीच शार्ट टर्म और लांग टर्म रणनीति पर भी बात हुई। शाह की मीटिंग में सिंधु नदी पर सिर्फ पाटिल बैठे थे। विदेश मंत्री एस जयशंकर का विषय कुछ और था और वो मिलकर निकल गए। भारत ये तय करेगा कि एक भी बूंद पानी नहीं पाकिस्तान जाने दिया जाए।

गृह मंत्री अमित शाह और सीआर पाटिल के बीच हुई बैठक में सिंधु नदी के जल को लेकर विस्तार से बात हुई है। सिंधु नदी के सिल्ट हटाने और ड्रेजिंग करने का काम तुरंत शुरू होगा। पानी को डायवर्ट की रणनीति पर भी विस्तृत चर्चा हुई। ये पानी वैसी नदियों में भी डायवर्ट किया जा सकता है जिसमें पानी की कमी रहती है। इस पानी का उपयोग सिंचाई के लिए कैसे किया जाए और बांध बनाने पर विस्तृत चर्चा हुई।

भारत सरकार ने 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का ऐलान किया है। भारत ने गुरुवार को पाकिस्तान को इस बारे में औपचारिक पत्र भी जारी कर दिया है। पत्र में स्पष्ट किया कि संधि को निलंबित करने का निर्णय भारत सरकार ने गहन विचार-विमर्श के बाद लिया है। भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल समझौता 1960 में हुआ था। समझौते के तहत सिंधु, झेलम, और चेनाब का जल अधिकार पाकिस्तान को और रावी, ब्यास और सतलुज का जल अधिकार भारत को मिला। पाकिस्तान की करीब 80त्न कृषि सिंचाई सिंधु जल प्रणाली पर निर्भर है। सिंधु जल समझौते पर भारत के रोक लगाने से पाकिस्तान में जल संकट उत्पन्न होगा और इसका असर कृषि पर पड़ेगा।

जुमे की नमाज के बाद मुसलमानों ने किया प्रदर्शन

भोपाल (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद से पूरे देश में गुस्से का माहौल है। इस बीच देशभर के अलग-अलग मस्जिदों में जुमे की नमाज के दौर मुसलमान काली पट्टी बांधकर पहुंचे और पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी की। भोपाल की ताजुल मस्जिद में जुम्मे की नमाज के बाद

मुसलमानों ने जोरदार प्रदर्शन किया। बता दें कि इस दौरान मुसलमान काली पट्टी बांधकर जुमे की नमाज पढ़ने पहुंचे थे। नमाज के बाद मुसलमानों ने पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए। इस दौरान उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को उसकी औकात बताना है। हर एतबार से हल्का पानी बंद करना है। उसे बॉयकॉट करना है और नेस्तनाबूत करना है। नमाज पढ़ने आए मुसलमानों ने कहा कि इस हमले में जो भी दोषी है उन सभी को फांसी की सजा दी जानी चाहिए। कश्मीर हमारा है, इसका हम बदला लेंगे। हम उस जमीन को नेस्तनाबूत कर देंगे, जिस जमीन ने हमारे भाइयों को तकलीफ पहुंचाई। एक मुस्लिन ने अच्छा शेर कहा है, %लहू मेरा दे दूं चमन के लिए, मेरी जान जाए वतन के लिए।% कुरान कहता है कि जिसने किसी एक के साथ गलत किया, उसने इंसानियत के साथ गलत किया। अब वक्त आ गया है कि पाकिस्तान को उसी की भाषा में जवाब दिया जाए।

वक्फ संशोधन अधिनियम मामले में केंद्र सरकार ने में दाखिल किया जवाब

याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में जवाब दाखिल किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में जवाब दाखिल किया और कहा कि पिछले 100 वर्षों से उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ को केवल पंजीकरण के बाद ही मान्यता दी जाती है, मौखिक रूप से नहीं। इसलिए, संशोधन जरूरी था। केंद्र सरकार ने कहा कि वक्फ परिषद और वक्फ बोर्ड में 22 सदस्यों में से अधिकतम दो गैर-मुस्लिम होंगे, यह एक ऐसा उपाय है जो समावेशिता का प्रतिनिधित्व करता है और वक्फ के प्रशासन में हस्तक्षेप नहीं करता है। केंद्र ने कहा कि जानबूझकर या गलत तरीके से वक्फ संपत्तियों के रूप में उल्लिखित सरकारी भूमि की पहचान राजस्व रिकॉर्ड को सही करने के लिए है और सरकारी भूमि को किसी भी धार्मिक समुदाय से संबंधित भूमि नहीं माना जा सकता है।

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल जवाब के जरिए वक्फ कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज करने की मांग की है। केंद्र सरकार ने अपने जवाब में कहा है कि सुप्रीम कोर्ट किसी भी कानून के प्रावधान पर आंशिक रूप से अंतरिम रोक नहीं लगा सकती है। न्यायिक समीक्षा करते हुए पूरे

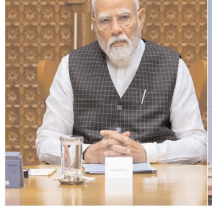

कानून पर रोक लगानी होती है। इसके अलावा ये भी माना जाता है कि संसद ने जो कानून ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी के सुझावों पर बनाया है वो सोच समझकर बनाया होगा। वक्फ मुसलमानों की कोई धार्मिक संस्था नहीं, बल्कि वैधानिक निकाय है।

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वक्फ संशोधन कानून के मुताबिक मुतवल्ली का काम धर्म निरपेक्ष होता है ना कि धार्मिक। ये कानून निर्वाचित जन प्रतिनिधियों की भावनाओं को परिलक्षित करता है। इसे बहुमत से इसे पारित किया गया है। इस बिल को पारित करने से पहले संयुक्त संसदीय समिति की 36 बैठकें हुई और 97 लाख से ज्यादा हितधारकों ने सुझाव और ज्ञापन दिए।

वाघा बॉर्डर से 191 पाकिस्तानी नागिरक भेजे

287 भारतीय लौटे वापस

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 भारतीयों की मौत हो चुकी है। इस घटना के बाद भारत सरकार ने एक्शन लेते हुए स्न्रुष्ट के जरिए पाकिस्तानी नागरिकों को दी जाने वाली वीजा को रद्द कर दिया है। वहीं भारत की देखादेखी पाकिस्तान सरकार ने भी भारतीयों को दी जाने वाली वीजा को रद्द कर दिया है। ऐसे में पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने के लिए 48 घंटे का समय दिया गया है। इस बीच पाकिस्तानी नागरिकों द्वारा पंजाब के अमृतसर में अटारी-वाघा सीमा चौकी से पाकिस्तान लौटना जारी है। हालांकि पाकिस्तानी में ब्याही गई लेकिन भारतीय पासपोर्ट धारक कुछ महिलाओं का कहना है कि आवश्यक दस्तावेज साथ रखने के बावजूद उन्हें कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसी कड़ी में अबतक अबतक 191 पाकिस्तानी नागिरक भारत से पाकिस्तान जा चुके हैं। वहीं 287 भारतीय पाकिस्तान से भारत आ चुके हैं। बता दें कि बीते दिनों जम्मू कश्मीर के पहलगाम जिले में आतंकवादियों द्वारा

की गई गोलीबारी में 26 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद भारत सरकार ने कार्यवाही शुरू की और विदे मंत्रालय ने बयान जारी करते हुए कहा कि पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे के भीतर ही पाकिस्तान जाना होगा।

वहीं भारत सरकार ने सिंधु जल समझौते को भी रद्द कर दिया है। इसके अलावा पाकिस्तान स्थित भारतीय दूतावास की क्षमता को भी कम कर दिया गया है। साथ बी वाघा-अटारी बॉर्डर को भी बंद कर दिया गया है। बता दें कि पहलगाम हमले के बाद पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक बुलाई गई थी, जिसमें ये फैसला लिया गया है। इस बैठक में घोषणा की गई कि अटारी में एकीकृत जांच चौकी को तुरंत बंद कर दिया जाएगा। साथ ही जो लोग वैध दस्तावेज के साथ पाकिस्तान गए हैं, वे एक मई से पहले उस रास्ते से वापस आ सकते हैं। हालांकि विदेश मंत्रालय ने 24 अप्रैल को बयान जारी करते हुए कहा कि ये वीजा संबंधित ये नियम उन पाकिस्तानी नागरिकों पर लागू नहीं होगा, जो हिंदू हैं और जिन्हें भारत में रहने के लिए लॉन्ग टर्म वीजा दिया गया है।

'आतंकियों ने ऐसा कौन सा इस्लाम सीखा है?'

पहलगाम आतंकी हमले पर बोले सैयद अहमद बुखारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे इस्लाम के खिलाफ और मानवता पर हमला बताया। शुक्रवार को अपने एक बयान में उन्होंने कहा कि निर्दोष लोगों की हत्या करना ऐसा पाप है, जो अल्लाह के गुस्से को न्योता देता है। शाही इमाम ने कहा, 'कुरान पाक में लिखा है कि एक इंसान की हत्या पूरी मानवता की हत्या के समान है, और एक इंसान को बचाना पूरी मानवता को बचाने जैसा है।' उन्होंने पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए भीषण आतंकी हमले को भारत की नैतिक परंपराओं और मानवता के लिए झकझोरने वाला बताया।

बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले में आतंकियों ने धर्म पूछकर निर्दोष लोगों को निशाना बनाया और हिंदुओं की पहचान होने पर उनकी हत्या कर दी। इस घटना

में 26 लोगों ने अपनी जान गंवा दी जबकि कई अन्य घायल हो गए। जामा मस्जिद के शाही इमाम ने इसे अक्षम्य अपराध और इस्लाम की शिक्षाओं के खिलाफ बताया। उन्होंने सवाल किया, 'खुद को मुसलमान कहने वाले आतंकियों ने ऐसा कौन सा इस्लाम सीखा है? लोगों से उनका धर्म पूछकर और यह जानकर कि वे हिंदू हैं, उनकी हत्या कर दी गई। इसका इस्लाम की शिक्षाओं, इतिहास और संस्कृति से कोई लेना-देना नहीं है।'

शाही इमाम ने चेतावनी दी कि अगर ऐसे कृत्य नहीं रुके, तो हालात और खराब हो सकते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत और उसकी समृद्ध संस्कृति कभी ऐसी क्रूरता को स्वीकार नहीं करेगी। बुखारी ने देशवासियों से हिंदू-मुसलमान के भेद को भूलकर एकजुट होने की अपील की। उन्होंने कहा, 'यह समय देश की एकता, सम्मान और संप्रभुता के लिए एक चट्टान की तरह खड़े होने का है।'

शाही इमाम ने कोविड महामारी का जिक्र करते हुए कहा कि उस दौरान भी मानवता ने बड़ा दुख झेला, लेकिन हमने कोई सबक नहीं सीखा। उन्होंने कहा कि आज दुनिया फिर से हिंसा और खूनखराबे में डूबी है। बुखारी ने भारत की सह-अस्तित्व और समानता की परंपराओं को देश का गौरव बताया, जो हमें विश्व में अलग बनाती हैं। उन्होंने पहगाम आतंकी हमले में पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और विश्व में शांति, सद्भाव और भाईचारे की प्रार्थना की।

दोस्त को एक्सीडेंट केस में कोर्ट से दिलवाई जमानत, घंटों बाद उसी के साथ ड्रग्स मामले में गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की द्वारका कोर्ट में अपने दोस्त के लिए जमानत देने पहुंचा एक शख्स उसी दिन अपने दोस्त और अन्य सहयोगियों के साथ 78 ग्राम ड्रग्स के साथ गिरफ्तार हो गया। पुलिस ने इस ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए 4 लोगों को हिरासत में लिया, जिनमें एक नाइजीरियाई नागरिक भी शामिल है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विकास उर्फ विक्की, गौरव यादव, आयुष और नाइजीरियाई नागरिक चुक्कुनविके उर्फ डिवाइन के रूप में हुई है। इनके पास से कुल 78 ग्राम MDMA बरामद किया गया। घटना 4 अप्रैल की है, जब गौरव यादव द्वारका कोर्ट में विकास के लिए एक सड़क दुर्घटना मामले में जमानत देने पहुंचा था। कोर्ट की कार्यवाही के बाद, गौरव और विकास द्वारका के सेक्टर-12 में एक ग्राहक को MDMA की डिलीवरी करने गए। पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर उसी दिन छापेमारी की गई, जिसमें विकास, गौरव और आयुष को 61 ग्राम MDMA के साथ गिरफ्तार किया गया। 2 दिन बाद, यानी कि 6 अप्रैल को नाइजीरियाई नागरिक चुक्कुनविके को गिरफ्तार किया गया, जिसके पास से 17 ग्राम MDMA बरामद हुआ।

प्रदेश में ई-आरटीओ सेवा और ई-चेकपोस्ट सेवा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के परिवहन कार्यालयों में आम नागरिकों को प्रदाय की जाने वाली समस्त सेवाओं के लिये ऑनलाइन आवेदन करने तथा प्राप्त आवेदनों का निराकरण परिवहन विभाग के सारथी पोर्टल पर ऑनलाइन ही किये जाने के प्रावधान किये गये हैं। विभाग द्वारा जिला परिवहन कार्यालय में सेवाओं के लिये निर्धारित शुल्क एवं वाहनों के मोटरयान कर ऑनलाइन की जमा करने की व्यवस्था कर दी गई है। इस व्यवस्था के शुरू हो जाने के बाद से परिवहन कार्यालयों में नकद राशि जमा करने की व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया है। अन्य प्रांतों से प्रदेश में आने वाले अथवा प्रदेश से गुजरने वाले वाहनों को मध्यप्रदेश मोटरयान कर ऑनलाइन जमा कराने के लिये एनआईसी के ई-चेक पोस्ट पोर्टल पर उपयोग किया जाना भी प्रारंभ किया जा चुका है। इस सुविधा से अन्य प्रांतों के परिवहन मोटर स्वामी अपने वाहन का मोटरयान कर ऑनलाइन जमा कर पा रहे हैं। इस सुविधा से अनावश्यक रूप से होने वाली असुविधा से वाहन मालिकों को छुटकारा मिल गया है।

गैर अनुदान मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों में प्रथम प्रवेशित कक्षा में प्रवेश के संबंध में दिशा-निर्देश

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में शिक्षा का अधिकार अधिनयम के तहत कमजोर वर्ग एवं वंचित समूह के बच्चों को गैर अनुदान मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों की प्रथम प्रवेशित कक्षा की 25 प्रतिशत आरक्षित सीटों पर सत्र 2025-26 के लिये ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से निशुल्क प्रवेश शीघ्र प्रारंभ किये जा रहे हैं। इस संबंध में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ करने के पूर्व गैर अनुदान मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों और जिला परियोजना समन्वयक द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जायेगी। इसी कार्यवाही के बाद प्रदेश में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया सुचारू रूप से पूर्ण हो सकेगी। राज्य शिक्षा केन्द्र ने इस संबंध में जिला कलेक्टर्स को पत्र लिखकर दिशा-निर्देश जारी किये हैं। गैर अनुदान प्राप्त अशासकीय स्कूल यदि अल्पसंख्यक स्कूल है, तो सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी वैध जीवित प्रमाण-पत्र की हस्ताक्षरित प्रति 25 अप्रैल 2025 तक जिल परियोजना समन्वयक को प्रदान करने के लिये कहा गया है। आरटीई के तहत प्राप्त आवेदनों को मूल दस्तावेजों के परीक्षण के लिये सत्यापन अधिकारी नियुक्त कर पोर्टल पर मैप करने के लिये कहा गया है। निर्देशों में कहा गया है कि सत्यापन के बाद जिला परियोजना समन्वयक 26 अप्रैल 2025 तक कार्य पूर्णता का प्रमाण-पत्र राज्य शिक्षा केन्द्र को प्रेषित करेंगे। इस आशय के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक-जिला शिक्षा केन्द्र और समस्त विकासखंड स्त्रोत समन्वयक को दिये गये हैं। इस संबंध में विस्तृत निर्देश स्कूल शिक्षा विभाग के एजुकेशन पोर्टल पर देखे जा सकते हैं।

ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं को मिलेगा मात्र 5 रुपये में नवीन विद्युत कनेक्शन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्यक्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक?ताओं को अब मात्र 5 रुपये में नवीन घरेलू कनेक्शन उपलब्ध कराना शुरू कर दिया है। कंपनी ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाले उपभोक्ताओं को अब केवल 5 रूपये में नवीन विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। यह नया घरेलू कनेक्शन उन लोगों को मिलेगा जो कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के घरेलू फीडर से नियमानुसार कनेक्शन लेने की पात्रता रखते हैं। कंपनी ने बताया कि इसके लिए ग्रामीणजन नवीन कनेक्शन के लिए आवेदन सरल संयोजन पोर्टल के माध्यम से कर सकते हैं।

एमपी के डीजीपी का आदेश- मिलने आएं तो अफसर को टॉप प्रायोरिटी पर सुननी होगी बात

सांसदों-विधायकों को भी सैल्यूट करेंगे पुलिस अफसर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में अब सीएम और मंत्रियों के साथ सांसद-विधायकों को भी पुलिस अफसरों और कर्मचारियों को सैल्यूट करना होगा। डीजीपी कैलाश मकवाना ने इसके आदेश जारी कर कहा है कि किसी भी जनप्रतिनिधि के साथ शिष्ट व्यवहार में कमी नहीं होनी चाहिए।

इतना ही नहीं अगर सांसद और विधायक मिलने आएं तो पुलिस अफसरों को प्राथमिकता के आधार पर मुलाकात कर उनकी बात सुननी होगी। डीजीपी की ओर से यह निर्देश 24 अप्रैल को जारी किए गए हैं।

डीजीपी ने यह भी कहा है कि सांसदों, विधायकों द्वारा जब भी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों से मोबाइल या फोन पर जन समस्या को लेकर संपर्क किया जाता है तो अधिकारी-कर्मचारी की जिम्मेदारी होगी कि संवाद के दौरान ध्यान से उनकी बात सुनेंगे और शिष्टता के साथ जवाब देंगे।

पहले जारी किए निर्देशों का हवाला दिया: डीजीपी ने सांसदों-विधायकों के सम्मान को लेकर जारी निर्देश में 8 अलग-अलग परिपत्रों का जिक्र किया है। ये सर्कुलर पुलिस अफसरों के लिए 23 जनवरी 2004, 18 मई 2007, 22 मार्च 2011, 24 अक्टूबर 2017, 19 जुलाई 2019, 11 दिसंबर 2019, 12 नवंबर 2021 और 4 अप्रैल 2022 को शासन की ओर से जारी किए गए हैं।

स्पेशल डीजी सलामी परेड को लेकर जारी हुआ था निर्देश: चार महीने पहले पूर्व डीजीपी सुधीर सक्सेना के रिटायरमेंट से ठीक पहले एक सर्कुलर स्पेशल डीजी शैलेष सिंह की ओर से जारी किया गया था। इसमें 2007 के सर्कुलर का जिक्र कर कहा गया था, मुख्यमंत्री, मंत्री और अन्य पुलिस अफसरों को सलामी परेड देने की परंपरा खत्म कर दी गई है। सिर्फ राज्यपाल को ही सलामी दी जा सकती है। यह पत्र सभी रेंज आईजी, डीआईजी और पुलिस अधीक्षकों को भेजा गया था। इसके चलते पूर्व डीजीपी की सेवानिवृत्ति पर बगैर सलामी परेड के ही विदाई हुई थी।

लोक अदालत 10 मई को

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में 10 मई 2025 (शनिवार) को नेशनल लोक अदालत आयोजित होगी। इसमें बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरण को समझौते के माध्यम से निराकृत किया जाएगा। विद्युत वितरण कंपनी द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि धारा 135 के अंतर्गत अदालत में लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिये निम्नदाब श्रेणी के समस्त घरेलू, समस्त कृषि, 5 किलोवॉट तक के गैर घरेलू एवं 10 अश्व शक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को ही प्रकरणों में छूट दी जाएगी। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने विद्युत अधिनियम 2003 धारा 135 के अंतर्गत न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अप्रिय कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए अदालत में समझौता करने के लिए संबंधित बिजली कार्यालय से संपर्क करें। प्री-लिटिगेशन स्तर पर - कंपनी द्वारा आकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं आकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। लिटिगेशन स्तर पर - कंपनी द्वारा आकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं आकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी।

पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने कार्य करें पंच और सरपंच- मंत्री पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने गुरुवार को रायसेन जिले की सांची जनपद पंचायत के ग्राम सिलपुरी में आयोजित पंचायत प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण/जनसंवाद उन्मुखीकरण कार्यक्रम सह सम्मान समारोह का कन्या-पूजन और दीप-प्रज्जवलन कर शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी/कर्मचारी एवं नागरिक उपस्थित थे। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि हमारी पंचायत व्यवस्था आत्मनिर्भर व स्वाबलंबी होनी चाहिए। सभी अपने ग्राम को स्वाबलंवी और आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य करें। उन्होंने पंच-सरपंचों को संबोधित कराते हुए कहा कि ग्राम के विकास के लिए योजना बनाकर काम करें, राशि की कमी नहीं है। ग्राम के विकास के लिए राशि का उपयोग इस प्रकार करें कि ग्राम का विकास हो और ग्रामीणों का भविष्य बेहतर हो। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि पंचायतों को अपने संसाधनों से आत्मनिर्भर बनना चाहिए। इस वर्ष भारत सरकार के 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत किये गये वित्तीय प्रावधानों को व्यय करने का अंतिम वर्ष है। इसके अलावा राज्य का वित्त, स्टॉम्प ड्यूटी की राशि, गौण खनिज की राशि सहित अन्य स्त्रोतों से भी पंचायतों को आय होती है। इस राशि का कार्य योजना बनाकर उपयोग किया जाए। इस वर्ष बजट में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के लिये वित्तीय प्रावधानों में वृद्धि हुई है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि पंचायत भवन ई-पंचायत को दृष्टिगत रखते हुए बनाए जायेंगे।

अब कंधे, साइकिल और ठेले पर नहीं जाएंगे शव, हर जिले को मिलेंगे 2 से 3 शव वाहन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के दूरदराज इलाकों से ठेले, कंधे और साइकिल पर शव ले जाने वाली शर्मसार करने वाली तस्वीरें अब मप्र में नहीं दिखेंगी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की मदद से सरकार पूरे प्रदेश में 148 अत्याधुनिक शव वाहनों की सेवा शुरू करने जा रही है। जरूरतमंद 1080 नंबर पर कॉल कर शव वाहन बुलाकर शव को घर तक ले जा सकेंगे। शव वाहनों के लिए टेंडर प्रक्रिया हो गई है। एक महीने में शुरू होने वाली सेवा के पहले चरण में 60 शव वाहन शुरू होंगे। यानी सभी जिलों में एक-एक वाहन भेजा जाएगा। भोपाल के जीएमसी जैसे बड़े मेडिकल कॉलेज में दो या अधिक वाहन भी दिए जा सकते हैं, क्योंकि यहां प्रदेशभर के अलग-अलग जिलों से मरीज पहुंचते हैं। बाद में हर जिले को दो से तीन शव वाहन उपलब्ध कराए जाएंगे।

फिलहाल यह सेवा केवल आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों को ही दी जाएगी। वे अस्पताल से घर तक शव को पहुंचा सकेंगे। हालांकि, सरकार को प्रस्ताव मिल रहे हैं कि यह सेवा आम मरीजों के परिजनों को भी दी जानी चाहिए।

इस सेवा को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए भोपाल में कॉल सेंटर स्थापित किया जा रहा है। जो चौबीसों घंटे चालू रहेगा। डिजिटल डैशबोर्ड से पूरे प्रदेश में शव वाहनों की उपलब्धता और मूवमेंट ट्रैक किया जाएगा।

तीन दिन में 16 हजार यात्रियों ने रद्द की जम्मू-कटरा की ट्रेन टिकटें

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत के बाद दहशत है। गर्मियों की छुट्टियां मनाने जम्मू, कटरा और उधमपुर जाने वाले हजारों यात्रियों ने अब अपना प्लान बदल दिया है। आईआरसीटीसी के मुताबिक, 22 से 24 अप्रैल के बीच 16,001 यात्रियों ने अपने ई-टिकट रद्द कराए हैं। सबसे ज्यादा 10,278 टिकट जम्मू के लिए थे।

अधिकारियों का कहना है कि इन तीन दिनों में नई बुकिंग भी घटी है। मई तक जिन ट्रेनों में पहले 'नो रूम' की स्थिति थी, वहां अब सीटें वेटिंग में आ गई हैं। ग्वालियर माधवनगर में रहने वाले डॉ. आरके गुप्ता ने बताया कि उन्होंने परिवार के साथ जम्मू-कश्मीर जाने की योजना बनाई थी, लेकिन हमले के बाद टिकट रद्द कर दिए हैं।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह पर सख्ती

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। महिला बाल विकास मंत्रालय द्वारा एक अहम कदम उठाते हुए बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरूआत की गई है। यह पहल देश में बाल विवाह की सामाजिक कुरीति को समाप्त करने तथा किशोरियों के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिये की गई है। एनएफएचएस-5 के आकड़ों के अनुसार प्रदेश में बाल विवाह की घटनाओं में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। अपर मुख्य सचिव महिला बाल विकास श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने सभी जिला कलेक्टर को पत्र लिख कर 30 अप्रैल अक्षय तृतीया पर होने वाले सामूहिक विवाह, जिसमें बाल विवाह होने की संभावना होती है, उसके रोकथाम के लिये विशेष गतिविधियों करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा बाल विवाह रोकथाम के लिये विशेष रणनीति तय की गई है। श्रीमती शमी ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य देश भर में बाल विवाह की कुप्रथा को समाप्त करना युवा लड़कियों को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बाल विवाह मुक्त भारत पोर्टल की जानकारी देते हुए कहा कि यह पोर्टल एक ऐसा अभिनव ऑनलाइन प्लेटफार्म है जो नागरिकों को बाल विवाह की घटनाओं की रिपोर्ट करन, शिकायत दर्ज करने और देश भर में बाल विवाह निषेध अधिकारियों (सीएमपीओ) के बारे में जानकारी प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाह रोकथाम के लिये बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत व्यापक कार्ययोजना बनाई गई है। इसमें सभी सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में विद्यार्थियों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जाएगा। हेल्पलाइन नंबर 181, 1098, 100 और बाल विवाह मुक्त भारत पोर्टल का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। 28 अप्रैल को सभी ग्राम पंचायतों के पंच, सरपंच एवं सचिव बाल विवाह न होने देने की शपथ लेंगे, जिसे पंचायत भवनों में प्रदर्शित किया जाएगा।

मेक माय ट्रिप पर कश्मीर की 25 बुकिंग कैंसिल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद कश्मीर टूर पर जाने वाले मध्यप्रदेश के पर्यटकों में डर का माहौल है। इस हमले में 27 पर्यटकों की मौत की खबर आने के बाद प्रदेशभर में कश्मीर टूर की बुकिंग्स रद्द होने लगी हैं।

टूर ऑपरेटर्स के मुताबिक, इस सीजन मध्यप्रदेश से 1500 से ज्यादा बुकिंग्स कैंसिल होंगी, इसमें मई की भी बुकिंग शामिल हैं। टूर ऑपरेटर्स के पास लगातार लोग कैंसिलेशन के लिए पहुंच रहे हैं। दूसरी तरफ सिर्फ भोपाल रेल मंडल से 210 से अधिक यात्रियों ने कश्मीर जाने वाली ट्रेनों की टिकटें रद्द कराई हैं।मेक माई ट्रिप की भोपाल लोकेशन हेड ऋचा सिंह भदौरिया ने बताया कि सिर्फ 23 और 24 अप्रैल को ही उनकी कंपनी से 25 से ज्यादा बुकिंग्स रद्द हुई हैं। उन्होंने कहा, यह घटना टूरिज्म इंडस्ट्री के लिए बहुत बड़ा झटका है। अब सिर्फ धार्मिक यात्राओं के लिए नहीं, बल्कि प्राकृतिक सुंदरता देखने वाले पर्यटक भी पीछे हट रहे हैं। सरकार ने अगर जल्द कोई सख्त कदम नहीं उठाया तो यह ट्रेंड अगले कई सालों तक बना रह सकता है।

एक अन्य टूर ऑपरेटर सतेंद्र द्विवेदी ने बताया कि उनकी कश्मीर की सभी बुकिंग्स कैंसिल हो चुकी हैं। करीब 30 प्रतिशत पर्यटकों ने हिमाचल प्रदेश या उत्तराखंड का विकल्प चुना है, लेकिन फ्लाइट टिकट रिफंड को लेकर अभी भी काफी असमंजस की स्थिति है। एयरलाइंस की पॉलिसी के मुताबिक ही रिफंड मिलेगा या नहीं, इस पर स्थिति स्पष्ट नहीं है।

भोपाल रेल मंडल के अनुसार पिछले डेढ़ दिन में कश्मीर के लिए बुक 210 से अधिक रेल टिकट रद्द हुए हैं। जिनमें से 60 से अधिक टिकट काउंटर से लिए गए थे। मंडल से जम्मू के लिए मालवा, झेलम और हमसफर एक्सप्रेस जैसी प्रमुख ट्रेनें जाती हैं। लेकिन आतंकी हमले के बाद इन रूट्स पर भी यात्रियों की संख्या में भारी गिरावट देखी जा रही है।

शहर में इस साल अब तक मलेरिया के 2 मरीज मिले

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। बीते पांच साल पहले मलेरिया का नाम सुनते ही मरीजों के हाथ-पैर कांपने लगते थे। ओपीडी में लंबी कतारे और बुखार में तपते कांपते बच्चे इलाज के लिए लाइन में अपनी बारी का इंतजार करते दिखाई देते थे, लेकिन अब इस साल अब तक 2 ही मलेरिया के मरीज सामने आए है, जबकि 2018 में भोपाल में मलेरिया के 152 मरीज मिले थे। वहीं इस साल अब तक सिर्फ दो मरीज सामने आए हैं।

इतना ही नहीं, जनवरी 2023 से अब तक 1 लाख 21 हजार 933 सैंपलों की जांच हुई और सभी नेगेटिव निकले। 2018 में भोपाल में 2548 सैंपल जांचे गए थे, जिनमें से 106 मरीज मलेरिया पॉजिटिव पाए गए। लेकिन 2022 में सिर्फ 19 मरीज मिले और इस साल स्थिति इतनी बेहतर हो चुकी है कि लाखों सैंपलों की जांच में भी एक भी नया मामला सामने नहीं आया। यानी हर साल मलेरिया की रफ्तार थमती गई।

डॉ. प्रांजल खरे जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि मादा एनाफिलीज मच्छर जो साफ और ठहरे पानी में 20 एमएल से भी कम मात्रा में अंडे देता है, उसकी पूरी साइकल पर अब नजर रखी जा रही है। विभाग और आमजन की जागरूकता ने बड़ा असर दिखाया।संचारी रोग अभियान (2018 से)-स्कूल, मोहल्लों और गांवों में 30 दिन तक सफाई व जलजमाव हटाने का विशेष अभियान।फॉगिंग और एंटी लार्वा छिड़काव- लोगों को सिखाया गया कि ठहरे पानी में केरोसिन या ढक्कन से ढंकने से मच्छर पनपने से रोका जा सकता है।मलेरिया माह का आयोजन- रथ निकालकर गांवों में जांच शिविर लगाए गए, नुक्कड़ नाटक और पंपलेट से जानकारी फैलाई गई।लक्ष्य- मलेरिया मुक्त भारत 2030 -जिला मलेरिया अधिकारी अखिलेश दुबे का कहना है कि 2030 तक मलेरिया खत्म करने का लक्ष्य है।

जल संसाधन विभाग में सामने आया अजीब मामला

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जल संसाधन विभाग (इरिगेशन) में एक जूनियर इंजीनियर को अपने सीनियर इंजीनियर के ऊपर पदस्थ करने का मामला सामने आया है। तीन दिन पहले विभाग के इंजीनियर इन चीफ, विनोद कुमार देवड़ा, ने आदेश जारी किया। जिस इंजीनियर को उच्च पद प्रभार दिया गया, उनका नाम पूनमचंद्र ग्वालवंशी है। वे अभी प्रभारी डिप्टी डायरेक्टर एवं एक्जीक्यूटिव इंजीनियर, सेंट्रल मैकेनिकल यूनिट में पदस्थ हैं। अब उन्हें इंचार्ज डायरेक्टर, सेंट्रल मैकेनिकल यूनिट बनाया गया है। इसी यूनिट में एचएस ठाकुर भी पदस्थ हैं, जो रेगुलर एक्जीक्यूटिव इंजीनियर हैं। ग्वालवंशी असिस्टेंट इंजीनियर हैं और उन्हें प्रभार देकर पहले एक्जीक्यूटिव इंजीनियर बनाया गया था। अब उन्हें ईई के ऊपर बैठा दिया गया है। इससे पहले भी इरिगेशन की बोदी शाखा में इसी तरह का आदेश हुआ था। तब अधीक्षण यंत्री को कार्यपालन यंत्री के अधीन कर दिया गया था। जैसे ही मामला संज्ञान में आया, आदेश निरस्त किया गया। इस मामले में ईएनसी विनोद कुमार देवड़ा से बात की गई तो उन्होंने कहा कि उन्हें ध्यान नहीं है।

पहलगाम के शहीदों को 2 मिनट का मौन रखकर की श्रद्धांजलि अर्पित

कांग्रेस ने बाबा साहब के विचारों के साथ सदैव अन्याय किया योगेंद्र शुक्ला

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

संविधान निर्माता, भारत रत्न बाबा साहव डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य मे मऊगंज भाजपा पार्टीकार्यालय सभागार में जिला स्तरीय संगोष्ठी का शुभारंभ महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया संगोष्ठीके समापन पर पहलगाम के शहीदों को 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई कार्यक्रम के मुख्य वक्ता भाजपा नेता योगेंद्र शुक्ला नेसंबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के रूप में महू में दिव्य आत्मा का अवतरण हुआ था, जिन्होंने भारत को संविधान देकर देश को सजाने व संवारने का कार्य किया है। बाबा साहब ने सर्वहारा वर्ग कल्याण के लिए काम किया पूरा जीवन दीपक की तरह दूसरे को प्रकाशित करने और राह दिखाने में लगायाबाबा साहब अंबेडकर जी के साहित्य को कांग्रेस ने गायब कर दिया, लेकिन प्रधानमंत्री जी ने कहा कि हम बाबा साहब के साहित्य को लोगों तक पहुंचाने का काम करेंगे। कांग्रेस ने बाबा साहब के विचारों के साथ सदैव अन्याय किया और जनता के बीच झूठ परोसते रहे। हम गांव, बस्ती और द्वार-द्वार जाकर बाबा साहब के सच को रखेंगे। बाबा साहब ने देश में चौखंभा विकास की अवधारणाको पूर्ण करने के लिए युवा किसान गरीब और महिलाओं को संविधान प्रदत्त अधिकार देकर उन्हें मुख्य धारा में लाने का काम किया हमें माउथ मीडिया के माध्यम से कांग्रेस के षड्यंत्र को उजागर करना होगा और जन-जन के बीच में डॉ अंबेडकर के विचारों को लेकर जाना होगा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सशक्त, समृद्ध और शक्तिशाली देश बना है। कांग्रेस ने संविधान की प्रस्तावना में संशोधन् कर संविधान की आत्मा को ठेस पहुंचाई डॉ राजेंद्र मिश्रा भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ राजेंद्र मिश्रा ने कहा कि बाबा साहब द्वारा बनाए गए संविधान की आत्मा उसकी प्रस्तावना है। संविधान की प्रस्तावना में संशोधन् कर संविधान की आत्मा को कांग्रेस ने ठेस पहुंचाई है। कांग्रेस पार्टी ने बाबा साहब को तिरस्कृत करने के साथ उनके किए गए कार्यों को भी तिरस्कृत किया है। बाबा साहब द्वारा बनाए गए मूल संविधान को ही कांग्रेस पार्टी ने गायब कर दिया। बाबा साहब द्वारा बनाए गए संविधान में राम दरबार के साथ भगवान श्रीकृष्ण और हनुमान जी सहित सनातन के अनेक देवी-देवताओं को समाहित किया था, लेकिन कांग्रेस ने इन्हें भी संविधान से हटाने का कार्य किया। बाबा साहब के सामाजिक समरसता के कार्यों को रोकने और उन्हें राजनीति में आगे नहीं आने देने के लिए चुनाव हराने का कार्य कांग्रेस ने किया। कांग्रेस ने बाबा साहब द्वारा अनुसूचित जाति और अनसूचित जनजाति वर्ग के कल्याण व आर्थिक उत्थान के लिए दिए गए आरक्षण को रोकने का भी प्रयास किया था। भाजपा जिला अध्यक्ष ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर कभी नहीं चाहते थे कि जम्मू-कश्मीर में धारा 370 लागू हो पर तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने उनकी सहमति के खिलाफ संविधान में संशोधन करते हुए 370 और अनुच्छेद 35ए लागू कर दिया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाकर संविधान निर्माता, भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के सपने को पूरा किया है। बाबा साहब ने जिस भारत का सपना देखा था, उनके सपनों का भारत बनाने का कार्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी़ी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बाबा साहब की जन्म स्थली सहित पांच स्थानों को पंचतीर्थ बनाने का कार्य किया है। भाजपा के वरिष्ठ नेता यस यस तिवारी ने अपने विचार रखते हुएने कहा कि जवाहरलाल नेहरू की कोशिश होती थी कि बाबा साहब देश की आर्थिक नीति हो या विदेश नीति किसी में शामिल न हो सकें। बाबा साहब को कांग्रेस ने जीते तो अपमानित किया ही, मृत्यु के बाद भी उनको अपमानित करने का काम किया। हजारों साल भारत गुलाम था। गुलामी के दौरान हमारी संस्कृति व सभ्यता को नष्ट करने का कार्य दुश्मनों ने किया। लाखों लोगों के बलिदान के बाद भारत आजाद हुआ और बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने एक श्रेष्ठ भारत की संकल्पना के साथ संविधान की रचना की, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने देश में आपातकाल लगाकर बाबा साहब के संविधान का गला घांटने का कार्य किया। कांग्रेस ने एक बार नहीं अनेकों बार संविधान का दुरूपयोग कर देश की चुनी हुई गैर कांग्रेसी सरकारों को गिराने का पाप किया है। विचार गोष्ठी को जिला मंत्री अशोक साकेत ने संबोधित करते हुए डॉ भीमराव अंबेडकर के कृतित्व और व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला और कहा कि महाभारत से लेकर सनातन काल में छुआछूत जैसी बीमारियां नहीं थी गुलामी के कारण यह बुराइयां हमारे संस्कृत में आई और बाबा साहब ने उसे दूर भगाने में बहुत बड़ा योगदान दिया कार्यक्रम का सफल संचालन जिला महामंत्री कार्यक्रम संयोजक श्रीमती सरिता सिंह पटेल ने किया आभार प्रदर्शन नईगढी मंडल अध्यक्ष विनोद कोल ने कियाकार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष विपिन मिश्रा उर्मिला सिंह पंकज पांडे ई अवध बिहारी पांडे ए जिला महामंत्री डॉ बी आर सैलानी अमरेंद्र बहादुर से रामनाथ शुक्ला भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे

नगर निगम वार्डों में किया जा रहा ई-केवाईसी कैंप का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ लेने के लिए समग्र केवाईसी होना है आवश्यक। जिला प्रबंधक सीएससी रविशंकर मिश्रा द्वारा बताया गया कि समग्र केवाईसी के लिए अभियान के तहत नगर निगम आयुक्त श्री सौरभ सोनवड़े जी के मार्गदर्शन पर सीएससी के माध्यम से प्रत्येक वार्ड में कैंप का आयोजन किया जा रहा है द्य साथ ही नागरिक उनके वार्ड में स्थित अथवा निकटतम सीएससी सेंटर में भी जाकर अपना समग्र केवाईसी करवा सकते हैं द्य

समग्र अधिकारी नगर निगम श्रीमती प्रज्ञा तिवारी द्वारा वार्ड प्रभारी को निर्देशित किया गया है कि अपने वार्ड में जाकर नागरिकों को समग्र केवाईसी के लिए प्रेरित करें एवं जागरूकता संदेश प्रसारित करें द्य समग्र केवाईसी के अंतर्गत समग्र का आधार से लिंक किया जा रहा है द्य शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ सामग्री केवाईसी पूर्ण होने पर ही प्राप्त हो पाएगा।

समाधान एक दिन योजना में 32 सेवाओं का तत्काल मिल रहा है लाभ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।प्रशासन को अधिक कारगर बनाने तथा आमजनता को तय समय सीमा में वांछित सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए समाधान एक दिन योजना लागू की गयी है। सुशासन के तहत इस योजना में आमजनता द्वारा निर्धारित सेवाओं के लिए आवेदन करने पर उसी दिन मांगी गयी सेवाएं उपलब्ध करायी जाती हैं। लोक सेवा प्रबंधन विभाग द्वारा लोक सेवा केन्द्रों के माध्यम से इसका क्रियान्वयन किया जा रहा है। वांछित सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक लोक सेवा केन्द्र में निर्धारित दिवस में अलग-अलग विभागों के अधिकारी नोडल अधिकारी के रूप में तैनात रहते हैं। नोडल अधिकारी निर्धारित सभी 32 सेवाओं के आवेदनों के निराकरण के लिए उत्तरदायी होते हैं। समाधान एक दिन में प्राप्त आवेदन का उसी दिन निराकरण न होने पर नोडल अधिकारी के विरूद्ध कार्यवाही की जाती है।

इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि समाधान एक दिन में आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, खाद्य सुरक्षा योजना के परिवारों के डुप्लीकेट पर्ची जारी करना तथा ट्रेड लायसेंस प्रदान किये जा रहे हैं। जिला और तहसील स्तरीय रिकार्ड रूम से आदेशों की प्रतिलिपि, चालू खसरा, बी-1 खतौनी तथा चालू नक्शा की प्रतिलिपि भी आवेदन करने के दिन ही प्रदान की जाती है। राजस्व अभिलेखागार से अभिलेखों की नकल, सभी तरह के खसरों की नकल तथा राजस्व मामलों में पारित आदेशों की नकल एक ही दिन में प्रदान की जा रही है। स्वामित्व योजना में अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने तथा जननी सुरक्षा योजना के आवेदन के निराकरण के लिए एक दिन की समय सीमा तय है।

कलेक्टर ने बताया कि समाधान एक दिन में परिवाहन विभाग की कई योजनाएं शामिल हैं। इसमें लर्निंग ड्राइविंग लायसेंस की प्रतिलिपि, वाहन फिटनेस प्रमाण पत्र की प्रतिलिपि तथा वाहन पंजीयन का डुप्लीकेट प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए एक दिन की समय सीमा तय है। रोजगार कार्यालय में पंजीयन तथा पंजीयन का नवीनीकरण एवं मतदाता सूची की प्रमाणित प्रति भी एक दिन में दी जा रही है। पुलिस विभाग की सेवाओं में अनुसूचित जाति तथा जनजाति थाने में मर्ग इंटिमेंशन की छायाप्रति, वरिष्ठ स्तर से एफआईआर की नकल तथा मर्ग इंटिमेशन की छायाप्रति देने के लिए एक दिन का प्रावधान है।

सेटेलाइट से रीवा में नरवाई में आग की 8 घटनायें हुई दर्ज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। फसल कटने के बाद उसके शेष बचे अवशेष नरवाई के रूप में मिट्टी का कवच बने हुए हैं। कई स्थानों पर दुर्घटनावश इनमें आग लग रही है। रीवा जिले में 24 अप्रैल को सेटेलाइट के माध्यम से प्राप्त सूचना के अनुसार विभिन्न तहसीलों में 8 स्थानों पर आग लगने की घटनाएं दर्ज हुई हैं। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि 24 अप्रैल को जिले की सेमरिया तहसील में ग्राम छिती 158 तथा कुम्हरा जुड़वानी, त्योंथर तहसील में ग्राम गोड़कला, कोनियाखुर्द, कोटा खुर्द, कोटरा खुर्द, मदरो एवं टगहा में नरवाई जलाने की घटनायें दर्ज हुई हैं। पूरे जिले में नरवाई जलाने पर प्रतिबंध है। नरवाई जलाने वाले किसानों पर प्रकरण दर्ज कर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। उप संचालक ने संबंधित क्षेत्र के तहसीलदारों से आग लगने की घटना का सत्यापन करके अधिनियम के प्रावधानों के तहत दण्डात्मक कार्यवाही का अनुरोध किया है।

रीवा संभाग में अब तक समर्थन मूल्य पर 145430.96 टन हुई गेंहू की खरीद

रीवा. रीवा संभाग के सभी जिलों में पंजीकृत किसानों से निर्धारित समर्थन मूल्य पर गेंहू का उपार्जन किया जा रहा है। अब तक संभाग में बनाए गए 330 खरीदी केन्द्रों में 20299 किसानों से 145430.96 मीट्रिक टन गेंहू का उपार्जन हुआ है। इसके लिए किसानों को 37812 करोड़ 5 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। इस राशि को किसानों के बैंक खाते में भुगतान किया जा रहा है। अब तक रीवा जिले में 78 खरीदी केन्द्रों में 5364 किसानों से 30459.52 टन तथा सतना जिले में 94 खरीदी केन्द्रों में 11337 किसानों से 92574.06 टन गेंहू की खरीद की गई है। सीधी जिले में 43 खरीदी केन्द्रों में 247 किसानों से 835.83 टन तथा सिंगरौली जिले में 38 खरीदी केन्द्रों में 379 किसानों से 1225 टन गेंहू का उपार्जन किया गया है। मऊगंज जिले में 26 खरीदी केन्द्रों में 260 किसानों से 1083.4 टन एवं मैहर जिले में 41 खरीदी केन्द्रों में 2712 किसानों से 19253.15 टन गेंहू खरीदा गया है।

पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित हुआ एक दिवसीय प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पुलिस अधिक रीवा विवेक सिंह के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रीवा आरती सिंह के समन्वय से । रीवा जिले के समस्त थाना प्रभारी , बाल कल्याण पुलिस अधिकारी एवं एसडीओपी, सीएसपी, सहित अन्य पुलिस अधिकारियों की एक दिवसीय प्रशिक्षण पॉक्सो एक्ट एवं जज एक्ट पर बचपन बचाओ आंदोलन के प्रदेश समन्वयक सलमान मंसूरी द्वारा दिया गया। जिनके द्वारा उक्त विषय में विस्तार से समझाया गया साथ ही। प्रश्न उत्तरीय सेशन भी हुआ। प्रशिक्षण के समापन में पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह ने आशा व्यक्त की इस प्रशिक्षण से सभी को लाभ होगा एवं बाल अपराधों के संरक्षण के क्रियान्वयन में बेहतर समझ बनेगी । साथ पीड़ित की न्याय दिलाने के लिए पुलिस और बेहतर तरीके से काम कर सकेगी। उक्त कार्यक्रम में अहिंसा वेलफेयर सोसाइटी के जिला समन्वयक सुमित सिंह भी मौजूद रहे।

सीएम राइज स्कूल सेमरिया में विश्व वसुंधरा दिवस पर हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सीएम राइज स्कूल सेमरिया में इको क्लब अंतर्गत विश्व वसुंधरा दिवस 2025 का कार्यक्रम आयोजित किया गया इस दौरान छात्राओं ने आकर्षक पोस्टर बनाए और पौधों से संबंधित जानकारी बार कोड में छात्राओं के द्वारा बनाई गई और पौधों में बार कोड लगाकर उसको स्कैन करके बताया गया की उसके अंतर्गत कौन कौन सी जानकारी है। छात्राओं के द्वारा ही बार कोड का निर्माण किया गया। सीएम राइज स्कूल में छात्राओं को कोडिंग का प्रशिक्षण दिया जाता है जिसमे वो खुद बार कोड बनाती हैं।बार कोड स्कैन करने पर पौधे की समस्त जानकारी फोन में प्रदर्शित हो जाती है।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि इंद्र बहादुर सिंह थे।प्राचार्य श्री शंकर दयाल दीक्षित के निर्देशन में इको क्लब प्रभारी श्री धीरेन्द्र कुमार कुशवाहा द्वारा छात्राओं को पर्यावरण सुरक्षा के संबंध में जानकारी दी गई इसके अलावा इको क्लब फार लाइफ मिशन वर्ष 2025 विश्व पृथ्वी दिवस की थीम अवर पावर अवर प्लेनेट के तहत ऊर्जा संरक्षण के बारे में पोस्टर प्रतियोगिता कराई गई साथ ही ऊर्जा संरक्षण के कारण और महत्त्व की उपयोगिता बताई गई। इस अवसर पर संस्था के सभी शिक्षक उपस्थित रहे। तथा नगर परिषद् सेमरिया के द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के तहत ओ डी एफ सीएम राइज कन्या सेमरिया की सफाई की गई ।

कलेक्टर मऊगंज ने जल गंगा अभियान में लापरवाही बरतने वालों को दिया नोटिस

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पूरे प्रदेश के साथ-साथ मऊगंज जिले में भी 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में शामिल विभिन्न विभागों द्वारा जल संरक्षण के कार्यों की कार्ययोजना बनाई गई है। कार्ययोजना के अनुसार किए जा रहे जल संरक्षण के कार्यों को प्रतिदिन नरेगा पोर्टल में दर्ज किया जाता है। कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन ने जल गंगा संवर्धन के तहत जिले भर में किए जा रहे जल संरक्षण के कार्यों को नरेगा पोर्टल में दर्ज करने में लापरवाही बरतने वाले 10 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस दिया है। नोटिस का 28 अप्रैल तक संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने कहा है कि जल गंगा संवर्धन अभियान शासन की उच्च प्राथमिकता का कार्यक्रम है। इसकी वरिष्ठ कार्यालय द्वारा लगातार समीक्षा की जा रही है। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी।

कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान में लापरवाही बरतने पर प्रभारी कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा एसबी रावत, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी नईगढ़ी अनीश पाण्डेय, प्रभारी अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मऊगंज अमित द्विवेदी, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मऊगंज अभिषेक पाण्डेय तथा सहायक यंत्री मऊगंज आरपी मिश्रा को नोटिस दिया है। कलेक्टर ने सहायक यंत्री मऊगंज अंकिता सोहगौरा, सहायक यंत्री जगदीश राजपूत, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत नईगढ़ी कल्पना यादव तथा प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मऊगंज रामकुशल मिश्रा एवं प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत हनुमना को भी कारण बताओ नोटिस दिया गया है।

नगरीय निकाय और पंचायतों के मतदाताओं का होगा भौतिक सत्यापन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकायों तथा पंचायतों के मतदाताओं के सत्यापन के निर्देश दिए हैं। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग ने इस संबंध में कहा है कि सभी जिला निर्वाचन अधिकारी स्थानीय निर्वाचन मतदाता सूची का सत्यापन कराएं। वर्तमान मतदाता सूची में जिन घरों में 11 अथवा उससे अधिक मतदाता दर्ज हैं उन सभी का शत-प्रतिशत सत्यापन कराएं। रीवा नगर निगम की मतदाता सूची में 971 घरों में 11 से 20 मतदाता, 47 घरों में 21 से 30 मतदाता, दो घरों में 31 से 40 मतदाता तथा एक घर में 40 से अधिक मतदाता दर्ज हैं। नगर परिषद बैकुण्ठपुर में 150 घरों में 10 से 20 मतदाता, सात घरों में 21 से 30 मतदाता तथा एक घर में 31 से 40 मतदाता दर्ज हैं। इसी तरह नगर परिषद मनगवां में 161 घरों में 10 से 20 मतदाता, चार घरों में 21 से 30 मतदाता तथा तीन घरों में 31 से 40 मतदाता दर्ज हैं। नगर परिषद सिरमौर में 88 घरों में 11 से 20 मतदाता तथा एक घर में 21 से 30 मतदाता दर्ज हैं। नगर परिषद सेमरिया में 198 घरों में 10 से 20 मतदाता, 10 घरों में 21 से 30 मतदाता तथा एक घर में 31 से 40 मतदाता दर्ज हैं। नगर परिषद चाकघाट में 159 घरों में 10 से 20 मतदाता, 12 घरों में 21 से 30 मतदाता तथा एक घर में 31 से 40 मतदाता दर्ज हैं। नगर परिषद त्योंथर में 276 घरों में 10 से 20 मतदाता, 19 घरों में 21 से 30 मतदाता तथा एक घर में 31 से 40 मतदाता दर्ज हैं। नगर परिषद गोविंदगढ़ में 99 घरों में 10 से 20 मतदाता तथा पाँच घरों में 21 से 30 मतदाता दर्ज हैं। नगर परिषद गुढ़ में 218 घरों में 10 से 20 मतदाता, 26 घरों में 21 से 30 मतदाता तथा दो घरों में 31 से 40 मतदाता दर्ज हैं। नगर परिषद डभौरा में 296 घरों में 10 से 20 मतदाता, 34 घरों में 21 से 30 मतदाता, तीन घरों में 31 से 40 मतदाता तथा एक घर में 41 से 50 मतदाता दर्ज हैं।

इसी तरह विकासखण्ड रीवा में 2993, रायपुर कर्चुलियान में 3482, त्योंथर में 3043, जवा में 3014, सिरमौर में 3740 तथा गंगेव में 2994 घरों में 10 से 20 मतदाता दर्ज हैं। मतदाता सूची में विकासखण्ड रीवा में 195, रायपुर कर्चुलियान में 202, त्योंथर में 212, जवा में 226, सिरमौर में 232 तथा गंगेव में 205 घरों में 21 से 30 मतदाता दर्ज हैं। इसी तरह विकासखण्ड रीवा में 9, रायपुर कर्चुलियान में 13, त्योंथर में 9, जवा में 15, सिरमौर में 13 तथा गंगेव में 22 घरों में 31 से 40 मतदाता दर्ज हैं। विकासखण्ड सिरमौर में एक घर एवं गंगेव में चार घरों में 41 से 50 मतदाता दर्ज हैं। विकासखण्ड जवा तथा सिरमौर में एक-एक घर ऐसे मिले हैं जिनमें 50 से अधिक मतदाता हैं। इन मतदाताओं का घर-घर जाकर सत्यापन कराकर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें।

गुप्त गोदावरी में संचालित शराब दुकान हटाने जिला पंचायत सदस्य ने रखी मांग

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिला पंचायत सदस्य संजय सिंह ने सतना प्रवास पर आए जिले के प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से चित्रकूट गुप्त गोदावरी मध्य प्रदेश की सड़क के किनारे चल रही शराब की दुकान हटाने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव जी की मंशा है कि धर्म स्थल शराब विक्री से मुक्त हों, लेकिन गुप्त गोदावरी की दुकान प्रावधान को पलीता लगा रही है।मध्य प्रदेश के तीर्थ स्थल गुप्त गोदावरी रोड में शराब की दुकान चल रही है जिसे हटाया जाए। जिले के प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को अवगत कराया।साथ ही कलेक्टर महोदय से भी दुकान को हटाने की मांग बैठक में रखी, इसी दौरान उन्होंने जिले के वन विभाग के द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि जंगल लगाने से क्या होगा? जब वन विभाग अपने प्लांटेशन नहीं बचा पा रहा। वन विभाग के वनकर्मी, चौकीदार सुरक्षा नहीं कर पा रहे। इसकी भी चिंता मंत्री के समक्ष जताई। वही पिंडरा से बरौंधा सड़क के लिए भी बात रखी की पीडब्लूडी के द्वारा सड़क की मरम्मत नहीं हो रही वही मरम्मतीकरण की जगह पैसे बंदरबाट किए जा रहे हैं। अपने चहते ठेकेदार को टेंडर देकर फिर से सड़क को कमीशन की भेट चढ़ाने की तैयारी है।

मानवता की सेवा को समर्पित संत निरंकारी मिशन, सतना शाखा को किया गया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना मानव एकता दिवस के अवसर पर सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की कृपा से 24 अप्रेल गुरुवार को संत निरंकारी सत्संग भवन,कृष्ण नगर में आयोजित विशाल रक्तदान शिविर के अवसर पर समाजसेवी संस्था सिन्धु विकास समिति परिवार द्वारा संत निरंकारी मिशन सतना शाखा प्रमुख प्रोफेसर डॉ जगदीश प्रसाद सेवानी जी को अंगवस्त्र पहना कर एवं रक्त प्रेरणा सम्मान [स्मृति चिन्ह भेंट] कर सम्मानित करते हुए उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

संत निरंकारी मिशन द्वारा आयोजित रक्त दान शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में कलेक्टर डॉश्री सतीश कुमार एस उपस्थिति रहे एवं साथ ही जिला चिकित्सालय से डॉ एल के तिवारी [सीएचएमओ] डॉ शक्तिधर गर्ग जी मेडिकल कॉलेज डीन] डॉ मनोज शुक्ला [सी एस] डॉ देवेंद्र पटेल [ब्लड बैंक अधिकारी] एवं चेंबर अध्यक्ष श्री सतीश सुखेजा जी सहित सभी की गरिमामय उपस्थिति में सिन्धु विकास समिति अध्यक्ष विनोद गेलानी,महामंत्री घनश्याम मंघरानी द्वारा संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन,सतना शाखा को सम्मानित करते हुए सिंधु विकास समिति स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रही है। उल्लेखनीय सिन्धु विकास समिति पिछले कई वर्षों से सतना में सेवा समरसता,एकता एवं विकास का संकल्प लेकर सामाजिक कार्य निरंतर कर रही है। मानव एकता दिवस के इस अवसर पर विनोद गेलानी, घनश्याम मंघरानी,अशोक चांदवानी,संजय वाधवानी,दीपक वाधवानी रंजीत सेनानी मनीष सदानी गंगाराम सचदेव जी डी जसवानी बसंत खत्री अमित घोघवानी वरिष्ठ समाजसेवी श्री मनोहरलाल भोजवानी श्री मनोहर लाल वाधवानी मनोहर आरतानी अशोक वाधवानी मनोहर आहूजा अनिल सचदेव एवं समाज के कई सम्मानीयगण भी उपस्थित रहे।

युवा संगम कार्यक्रम के तहत रोजगार मेले से 40 युवाओं को मिले रोजगार के अवसर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। युवा संगम कार्यक्रम के तहत शिक्षण संस्थाओं में रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन के मार्गदर्शन में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था मऊगंज में एक दिवसीय रोजगार मेला आयोजित किया गया। इसमें 55 आवेदकों ने पंजीयन कराया। मेले में शामिल 5 निजी कंपनियों ने 40 युवाओं का चयन किया। उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में डी एण्ड एच सेचरोन कंपनी इंदौर ने 11 युवाओं का चयन किया। इसी तरह प्रगतिशील एग्रोटेक रीवा ने 13, एचडीएफसी लाइफ इश्योरेन्स कंपनी लिमि. रीवा ने 4, प्रगतिशील बायोटेक रीवा ने 4 तथा डीएमसी फिनिसिंग स्कूल प्राइवेट लिमिटेड पुणे ने 8 युवाओं का चयन किया।

विचार

राहुल गांधी बोलते रह गए लेकिन खरगे ने कर दिखाया

कांग्रेस को मजबूत करने के अभियान में जुटे राहुल गांधी के लिए इस वर्ष बिहार में होने वाला विधानसभा चुनाव काफी महत्वपूर्ण हो गया है। पिछले कुछ महीनों से वह लगातार कांग्रेसी कार्यकर्ताओं और नेताओं को आईना दिखाने का काम कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी के अंदर मौजूद बीजेपी के एजेंट्स को पार्टी से बाहर निकालने का राग अलाप रहे हैं तो इसके साथ ही जनाधारविहीन नेताओं को किनारे लगाने की बात भी कह रहे हैं। राहुल गांधी का खासा जोर पार्टी में स्थानीय नेतृत्व को मजबूत करना है और इसके लिए वह लगातार जिलाध्यक्ष के पद को ताकतवर बनाने की कोशिश में जुटे हुए हैं। लेकिन जिलाध्यक्ष वाले प्रयोग को लेकर लेखक ने जिस तरह की आशंका पहले जताई थी,वो अब सच साबित होती दिखाई दे रही है। दरअसल, राहुल गांधी के सार्वजनिक तौर पर और बंद कमरों में भी बैठक के दौरान बार-बार और लगातार इस तरह की बात कहने के बावजूद कड़वी सच्चाई तो यही है कि अभी तक किसी भी बड़े नेता के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया जा सका है। राहुल गांधी द्वारा पिछले कुछ वर्षों के दौरान शुरू किए गए अभियानों की असफलता का जिक्र करते हुए अब कांग्रेसी नेता दबी जुबान में इस बार भी राहुल गांधी के विफल होने की भविष्यवाणी कर रहे हैं। वर्ष 2022 में राजस्थान के उदयपुर में आयोजित तीन दिवसीय चिंतन शिविर जिसे %नवसंकल्प शिविर% का नाम दिया था जैसे कई शिविरों और महत्वपूर्ण बैठकों में लिए गए संकल्पों की याद दिलाते हुए अब यह भी कहा जाने लगा है कि राहुल गांधी अपनी शानदार से शानदार योजना को भी जमीन पर नहीं उतार पाते।

लेकिन ऐसा लग रहा है कि जो राहुल गांधी कर नहीं पा रहे हैं, उसकी शुरुआत 82 वर्ष की आयु पूरी कर चुके मल्लिकार्जुन खरगे ने कर दी है। बिहार की धरती पर जाकर कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 20 अप्रैल को एक रैली को संबोधित किया। खरगे ने बिहार के बक्सर के दल सागर में रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मोदी सरकार और राज्य की नीतीश कुमार-बीजेपी गठबंधन सरकार पर जमकर निशाना साधा। खरगे ने बहुत ही आक्रामक अंदाज में एक सधे हुए नेता के तौर पर भाषण देते हुए लोगों को कांग्रेस से जोड़ने की कोशिश की। लेकिन खरगे के इस उत्साह और प्रयास पर कांग्रेस के स्थानीय नेताओं ने ही पानी फेर दिया। सभा में न केवल भीड़ कम थी बल्कि रैली के हिसाब से समुचित इंतजाम तक नहीं किए गए थे। बीजेपी और जेडीयू नेताओं ने भी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे की रैली में आई भीड़ को लेकर जमकर कटाक्ष किया।

वहीं नाराज खरगे ने अपनी रैली में उचित इंतजाम नहीं होने और वहां आई कम भीड़ को देखते हुए हुए बिहार प्रदेश कांग्रेस को जिला नेतृत्व के खिलाफ तुरंत एक्शन लेने का फरमान सुना दिया। खरगे के निर्देश पर पार्टी नेतृत्व ने बक्सर के जिला अध्यक्ष मनोज कुमार पांडे को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। बिहार प्रदेश कांग्रेस द्वारा बक्सर जिला अध्यक्ष के निलंबन को लेकर जारी पत्र में कहा गया है, 20 अप्रैल 2025 को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का दल सागर खेल मैदान में बक्सर में कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रथम दृश्य सभा की तैयारी की घोर कमी और आसपास में समन्वय का घोर अभाव पाया गया है। जिला कांग्रेस कमेटी ने अपने उत्तरदायित्व का निर्वाहन ठीक से नहीं किया। इसलिए जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद से तत्काल मनोज कुमार पांडे को निलंबित किया जाता है। खरगे ने जिलाध्यक्ष के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए कांग्रेसी कार्यकर्ताओं और खासकर नेताओं को एक बड़ा राजनीतिक संदेश दे दिया है। खरगे का संदेश बिल्कुल साफ है कि वे राहुल गांधी नहीं है और एक्शन लेने में कतई देरी नहीं करेंगे।

पाक को सबक सिखाना एवं आतंकवाद को उखाड़ना होगा

जमू-कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर एवं क्रूर आतंकी हमले से सारा देश गम एवं गुस्से में दिख रहा है, वही मोदी सरकार इस बार आर-पार के मूड में दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सियोरिटी (सीसीएस) की बैठक के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ पांच बड़े और कड़े फैसले लेते हुए पाकिस्तान पर शिकंजा कसा है, जिससे वह डरा है, सहमा है, घबराया है। इन पंच शिकंजों में 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, राजनयिक मिशन की संया घटाई जाएगी, पाकिस्तानी सैन्य राजनयिकों को एक हते में भारत छोड़ना होगा, पाकिस्तानियों के लिए सार्क वीज़ा रद्द कर दिया गया है और अटारी बॉर्डर को भी तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है।

ये कदम जहां आतंकवाद के खिलाफ भारत की कड़ी नीति को दर्शाते हैं वहीं पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाने का एक डिप्लोमैटिक स्ट्राइक है, जबकि भीतर-ही-भीतर किसी बड़ी कार्रवाई से इंकार नहीं किया जा सकता। सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान पर दबाव बनाने और भारत की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में मोदी सरकार से अभी अधिक सख्त कार्रवाई की अपेक्षा है और आशा की जा रही है कि सरकार जनता की अपेक्षाओं से भी दो कदम आगे इस बार बदला लेगी। इस बार की तांडवी टंकार एवं हुंकार पाकिस्तान की न केवल कमर तोड़ देगी, बल्कि उसके नापाक मनसूंबों को हमेशा के लिये नेस्तनाबूद कर देगी। पाकिस्तान ने अब तक भारत की शांति एवं सहयोग भावना को देखा है लेकिन अब हिंसा के लिये हिंसा की खनकार देखेगा। निर्दोषों की हत्या करन वालों, विश्वासघात का मार्ग अपनाने वालों एवं निहत्थों पर कहर बरपाने वालों को अब पता लगेगा कि धर्म एवं शांतिवादियों की ताकत क्या होती है?

पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने निर्दोष पर्यटकों पर किये गये इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण ढंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर-ए-तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है। यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत विरोधी बयान के बाद हुआ। यह हमला पाकिस्तान की अब तक की सबसे बड़ी भूल एवं अमानवीयता एवं पाशविकता का घिनौना कृत्य बना है। मुनीर ने कश्मीर को अपने देश की 'गले की नस' बताया लेकिन यही नस अब पाकिस्तान का सर्वनाश करेंगी, उसको कड़वे घुंट पीने को विवश करेगी। दाने-दाने को तरसता पाकिस्तान अब त्राहि-त्राहि करते हुए तबाही के कगार पर पहुंचेगा। एक ओर जहां बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नींद उड़ा रखी है, अब भारत उसकी नींद ही नहीं, सुख-चैन भी छीन लेगा। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी.वेंस की भारत यात्रा के दौरान- यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली मोदी सरकार को चुनौती दे दी है, सीधे-सीधे ललकारा है। मोदी सरकार को सस्ते में लेने की भूल के परिणाम पाकिस्तान पहले भी भुगत चुका है, उरी (2016) और पुलवामा (2019) की तरह पहलगाम हत्याकांड में बहा निर्दोषों का रक्त व्यर्थ नहीं जायेगा। जिस तरह श्रीकृष्ण को आसूरी शक्तियों के खिलाफ महाभारत रचना पड़ा, उसी तरह मोदी पाकिस्तान के आतंकवाद के खिलाफ कोई बड़े युद्ध की संरचना करके हमेशा के लिये आतंकवाद का सर्वनाश करे।

पहलगाम हत्याकांड के बाद न केवल समूचे देश में बल्कि कश्मीर घाटी में पहली बार गहरा आक्रोश देखने को मिला है। घाटी में 35 साल बाद पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद का आयोजन किया गया है। बुधवार को बंद के आह्वान के बाद श्रीनगर में अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। लोग सड़कों में दुख और आक्रोश व्यक्त करते नजर आए और कहा कि यह घटना कश्मीर की अतिथि और शांति की भावना के साथ विश्वासघात है। यह घटना कश्मीरियों की रोजी-रोटी पर कुठाराघात है। यह कश्मीर की शांति को लीलने की कुचेष्ठा है। लश्करे-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन के इस हमले का मकसद पर्यटकों में खौफ पैदा करना और घाटी में सामान्य स्थिति की वापसी को रोकना था। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल जम्मू-कश्मीर में पैंतीस लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे थे। लेकिन पहलगाम जैसी जगह में जहां सत्तर फीसदी लोगों की आजीविका पर्यटन से जुड़ी है, वहां स्थिति सामान्य होने में अब लंबा वक्त लगेगा। आने वाले दिनों के लिये पर्यटकों ने अपनी यात्राएं रद्द कर दी हैं।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में काफी बदलाव आया था। आतंकवाद लगातार सिमट रहा था, शांति का उजाला हो रहा था। वादियां की रौनक बढ़ी और बाजार गुलजार हो उठे थे। श्रीनगर के लालचौक पर मिलजुल कर त्यौहार मनाए जाने लगे थे। बागों में ट्यूलिप के फूल खिल उठे थे। बर्फ की वादियों में मंद-मंद शीतल हवाओं से चिनार के पेड़ झूमने लगे थे। जो देश एवं दुनिया के असंख्य पर्यटकों को खींच रहे थे। उम्मीदें बंध गई थीं कि एक न एक दिन आतंकवाद मुक्त जम्मू-कश्मीर नई सुबह देखेगा लेकिन बढ़ते पर्यटक और मजबूत होती अर्थव्यवस्था पाक को रास नहीं आई। पहलगाम के भयावह हमले ने एक बार फिर सबको खौफजदा कर दिया। जम्मू-कश्मीर में शांति, सौहार्द और विकास पाकिस्तान में बैठे आतंक के आकाओं को नागवार गुजर रहा था। इसलिए पाकिस्तान की सेना, सेना प्रमुख तौकिर मुनीर, उसकी खुफिया एजैंसी आईएसआई और आतंकवादी संगठनों ने मिलकर ऐसी साजिश रच डाली, जिसने उनके धर्म को धुंधलाने एवं शर्मसार करने के साथ पाकिस्तानी इरादों को भी बेनकाब कर दिया।

पाकिस्तान को जवाब देने की तैयारी व्यापक स्तर पर हो रही है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या भारत ऐसी कोई बड़ी कार्रवाई कर सकेगा, जिससे वह सही रास्ते पर आ जाए? पहलगाम का आतंकी हमला भारत की चेतना और उसकी अस्मिता पर किया गया भीषण हमला है। इस हमले के द्वारा भारत को ललकारा गया है। अब पाकिस्तान को उसी की भाषा में सबक सिखाने के लिए सभी विकल्पों पर विचार होना ही चाहिए। यदि युद्ध अपेक्षित हो तो उसे भी अंजाम देना चाहिए। उसकी परमाणु हमले की धमकियों से आखिर कब तक डरा जायेगा? इसी के साथ इस पर भी मंथन हो कि आखिर पहलगाम में आतंकी इतनी आसानी से इतने लोगों को मारने में सफल कैसे हो गए? सीमा पार से आतंकियों की घुसपैठ एवं सक्रियता जारी थी। ऐसे में भारत सरकार, सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों को और सतर्क रहना चाहिए था। यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि कश्मीर में जब बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे थे, तब वहां जैसी चौकसी बरती जानी चाहिए थी, उसका अभाव क्यों देखने को मिला?

जिस तरह से धर्म और नाम पूछकर आतंकवादियों ने हिन्दुओं का नरसंहार किया उससे समूचा राष्ट्र आक्रोश में है। भारत की बेटी जिस की हाथों की मेहंदी का रंग भी अभी फीका नहीं हुआ था और तीन दिन पहले ही उसकी शादी हुई थी, उसकी अपने पति भारतीय नौसेना के लेफ्टीनेंट विनय नरवाल के शव के साथ तस्वीर देखकर समूचे देश का दिल दहल गया। हैदराबाद के आईबी अधिकारी मनीष रंजन को पत्नी और बच्चों के सामने मार दिया गया, ऐसे ही दर्दनाक दृश्य चारों ओर बिखरे थे। यह हमला वैसा ही जैसा हमास के आतंकवादियों ने इजराइल पर किया था। आज समूचा राष्ट्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ?खड़ा है। हर देशवासी चाहता है कि पाकिस्तान को?ऐसा सबक सिखाया जाए जैसा इजराइल ने हमास को सिखाया है। बहरहाल, इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद केंद्र सरकार ने युद्धस्तर पर कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार में तीव्र गर्जना करते हुए पाकिस्तान को सबक सिखाने का संकल्प व्यक्त किया है। गृहमंत्री अमित शाह ने आतंकवाद के आगे घुटने न टेकने की बात कहीं है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमलावरों को यथाशीघ्र कड़ा जवाब दिया जाएगा। लेकिन अब घाटी की उन आवाजों को भी बुलंद करना चाहिए जिन्होंने हिंसा को खारिज करके मानवता, देश की एकता एवं घाटी की शांति को चुना है।

पहले तो कहानी के केंद्रीय पात्र से आपका परिचय करा दूँ : दसई

अपने कार्यकाल में मुझे बांधवगढ़ में एक रिसोर्ट बनाने का अवसर मिला। आज वो "lemon tree" रिसोर्ट है, निर्माण के दौरान इसका नाम गौरैया कैंप था। निर्माण के दौरान मुझे प्राय: बांधवगढ़, ठाकुर साहब (रिसोर्ट के मालिकों में एक) के साथ जाना पड़ता था । दसई निर्माण कार्य में लगे मजदूरों मे ही एक था । बेहद मेहनती, हंसमुख, छोटी-छोटी बातों में ताली बजा कर हंसने वाला। दसई की निष्ठा अपने मालिकों के प्रति राजतंत्र कालीन सेवको की तरह थी, सेवा में समर्पण भाव था।

इधर कुछ दिनों से दसई परेशान था। परेशानी की वजह एक महुआ का वृक्ष था। जो उसके पिता द्वारा, उसके लिए घर के पास ही लगाया गया था । वृक्ष फल-फूल रहा था तथा दसई ही उसके उत्पाद का उपयोगकर्ता था । पारिवारिक जमीन के बंटवारे में वह वृक्ष उसके चाचा के हिस्से की जमीन में आ गया था । स्वाभाविक रूप से दसई के चाचा ने, दसई के महुए के उपयोग पर रोक लगा दिया । दसई को जमीन के बंटवारे से कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन उसके पिता का लगाया महुआ भी चाचा का है ये उसे मंजूर ना था । शायद ही कोई सरकारी विभाग का व्यक्ति हो जिससे दसई ने अपनी पीड़ा व्यक्त न करी हो । मालिकों से उसकी उम्मीद कुछ ज्यादा ही थी । उसके साथ अन्याय में ये चुप क्यों हैं, इसका कारण समझने में असमर्थ था ।

उसके पास अब तर्क बस एक ही था कि हमार लडिका अगर पडोस के घरे में रहे लागी तो हमरै लड़िका रही. स्वाभाविक न्याय की दृष्टि से उसका तर्क अकाट्य था परंतु कानून की किताबों में उसके इस तर्क का कोई स्थान ना था ।

ठाकुर साहब को अब उसके निरंतर अनर्गल प्रलाप से अब चिढ़ होने लगी थी । अंतत: उन्होंने एक दिन उसे झिड़क दिया और इस सन्दर्भ में चर्चा नहीं करने की हिदायत दी । दसई के चेहरे पर गहरी निराशा और आश्चर्य स्पष्ट दिखाई दे रहा था । इस व्यवहार की उम्मीद उसे बिल्कुल भी नहीं थी । फिर अचानक दसई का काम पर आना बंद हो गया । कार्यस्थल का सबसे कर्मठ एवं समर्पित कार्यकर्ता की कमी हम सबको महसूस हो रही थी । अंतत: ठाकुर साहब ने एक कारिन्दा भेज कर उसे बुलवाया । दसई के उदास चेहरे को देखकर ठाकुर साहब के यह पूछते ही की क्या दिक्कत है, दसई फूट-फूटकर रोने लगा, और कुछ देर के बाद आंसू पोंछता हुआ वहां से चला गया, फिर दसई कभी नहीं आया ।

वस्तुत: विगत पांच दिनों में जो घटित हुआ वह दसई के लिये असहनीय था । लोगों को समझाने पर की समस्या की जड़ को ही खत्म कर दो, दसई के चाचा ने उस पेड़ को ही काट दिया । दसई शायद पेड़ पर चाचा के आधिकार को स्वीकार कर लेता, पर पेड़ का काटा जाना उसके लिए असह्य हो गया । यह कृत्य उसके लिए एक वज्र घात की तरह था, जैसे उसने अपने परिवार के किसी सदस्य को खो दिया हो । रिसोर्ट के पूरे होने तक दसई कभी नजर नहीं आया ।

आज पांच सालों बाद फिर बांधवगढ़ आना हुआ । मेरे मित्र की वहां 3 एकड जमीन थी, उसमे एक काटेज बना हुआ था, अब उसे बढ़ा कर रिसोर्ट बनाना चाहते थे, हम शाम ही बांधवगढ़ साइट पर पहुंच गए थे । रात के खाने का इंतजाम भी वही पर था । प्राकृतिक रूप से बड़ा ही खूबसूरत स्थान था । पूरा क्षेत्र कटीली तारो से घिरा हुआ था, बहुत ही सुंदर ढंग से पेड़ो को लगाया था ।

शाम को खाने पर योजना पर बात होती रही । यहां पूल, यहां नए काटेज, यहां ऑफिस, लगभग 8-10 पेड़ काटने पड़ेगे । लिए गए निर्देशों के अनुसार मुझे ड्रॉइंग तैयार करना था ।

खाने के बाद मुझे तुरंत लौटना भी था । बाहर निकल कार में बैठने ही वाला था कि पिछे से आवाज आयी, देखा तो गॉर्ड था । गॉर्ड ने कहा साहब ये आपसे कुछ कहना चाहता है । गाड़ी मे बैठते हुए मैंने बिना उसके और देखे ही कहा- हाँ बोलो क्या कहना है?

साहब आप कछू बनाओ पर पेड़ एक्कौ न कटी

गॉर्ड क साथ आए व्यक्ती का कथन मुझे दृष्टता लगी । गाड़ी में बैठते-बैठते मैं बाहर आ गया । धुंधलापन में उसका चेहरा स्पष्ट नहीं दिखाई दे रहा था । मैं तल्ख अंदाज में गॉर्ड से पूछा ,ये कौन है ,क्या नाम है इसका ? मेरी तल्खी से वो दोनों असहज दिखाई दिए । गॉर्ड को लगा कहा इस बेवकूफ़ को साहब से मिलवाने ले आया । साथ आए व्यक्ति का भी लहजा बदला मैं या कहत रहों साहब की अपना के काम होई जाय और हमार पेड़ौ बच जाय (बोलकर उसने अपने दोनों हाथों को जोड़ लिया) साहब ये यहां माली हैं, दसई नाम है इसका । गलती से बोल दिया है, माफ़ करिये - गॉर्ड ने कहा, (मालिक से मत बोलियेगा) दसई नाम सुनते ही पांच सालों पहले का घटना क्रम मेरे आँखों के सामने से घूम गया । मेरे वाणी मे रहीं तल्खी जाती रही । मैं दसई को जवाब देने की स्थिति में नहीं था । और ना ही मुझमे दूसरा वृक्ष घात देने का साहस था । मैं दसई के दोनों जुड़े हुए हाथों को अपने हाथों में लेकर मंद स्वर में इतना ही कह सका कि दसई तुम्हारा एक भी पेड़ नहीं कटेगा कार में बैठकर चलने से पूर्व मैंने मुड़कर उसकी ओर देखा । अंधेरे में चेहरे के भाव तो नजर नहीं आए, पर उधर आँखों में नमी जरूर थी, शायद इधर भी! रास्ते भर ये विचार लगातार घूमता रहा, कि पर्यावरण संरक्षण के नाम पर इन गरीब आदिवासियों से जंगल का अधिकार छीन लिया गया है, सरकार एक पेड़ माँ के नाम वृक्षारोपण को प्रोत्साहित भी कर रही है परंतु पर्यावरण प्रेम की इनकी जड़े बहुत गहरी हैं।

चीख रहा कश्मीर

जिसे कभी धरती का जन्नत, कह कर लोग बुलाते थे ।
और मनोरम छटा निरेखते, देव-मनुज सुख पाते थे।

ईद मुबारक के गीतों को, हिन्दू- मुस्लिम गाने थे।
होली में रंग-गुलाल लगा, मिलजुलकर खुशी मनाते थे।
उस केशर की बगिया में जाने, किसने नजर लगाई।

खिले हुए गुलशन पर मैली, नीरसता फैलाई।
भिगो दिया खूँ से उस भू को, कुछ जालिम हत्यारों ने।

हाथ बढ़ाकर साथ निभाया, छुपे हुये गद्दारों ने।
झुलस रहा कश्मीर आज है, कालमयी अंगारों से।

निकल रही हैं लाशें इसके, रस्तों से गलियारों से।
मां का सीना फट जाता है। जब बेटे गोली खाते हैं।

मासूम बिलखते बच्चे भी, लाशों पर लिपटे रोते हैं।
राखी ने अंतिम दम तक, अपने ऋण की आश लगाई थी।

पहलगाम की माटी ने, रो-रोकर आज दुहाई दी,
कि भारत माँ की शान न जाए मस्तक जरा सजा लो।

चीख रहा कश्मीर, हिन्द के वीरों मुझे बचा लो।
यदि लड़े नहीं रण में तो समझो कायर ही कह लाओगे।

मातृभूमि के ऋण से खुद को, मुक्त नहीं कर पाओगे।
पर तुम राणा के वंशज हो, पग पीछे नहीं हटाओगे।

काटोगे मस्तक अरिका या फिर वहीं वीरगति पाओगे।
ये बलशाली बड़ी भुजाएँ, भारत माँ की थाती हैं।

नाज हमें है इन पर, ये कुछ, अनुपम ही दिखलाती हैं।
उठो बढ़ो कश्मीर तुम्हारा, आलिंगन को आकुल है।
विजय-पताखा धारण करने, आज हिमालय व्याकुल है।

अमिता सिंह जागृति पीके स्कूल रीवा (म.प्र.)

आतंकी हमले के विरोध में बैकुंठपुर बंद

मुस्लिम समाज ने रैली निकालकर जताया विरोध, दोषियों पर कार्रवाई की मांग

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर में व्यापारियों ने अपनी दुकानें पूरी तरह से बंद रखीं। चेम्बर ऑफ कामर्स के आह्वान पर शुक्रवार को व्यापारियों ने स्वेच्छा से इस बंद में भाग लिया। वहीं, मुस्लिम समाज ने भी इस हमले के विरोध में आवाज उठाई है। अल रजा केयर फाउंडेशन के नेतृत्व में आयोजित रैली में समाज के लोगों ने कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश की निगरानी में जांच की मांग की है। फाउंडेशन का कहना है कि इस बड़ी घटना के पीछे कई लोगों की संलिप्तता हो सकती है। इसलिए निष्पक्ष जांच के बाद सभी दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। रैली में शामिल लोगों ने आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता दिखाते हुए पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे भी लगाए।

घटना से जुड़ा एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अविभाजित कोरिया जिले के चिरमिरी के 11 पर्यटक इस आतंकी हमले में बाल-बाल बच गए और शुक्रवार को वे सकुशल वापस घर लौट आए। इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश है। विरोध प्रदर्शन के दूसरे दिन हिंदू महासंघ ने बैकुंठपुर में मशाल रैली का आयोजन किया। बंद के दौरान शहर की सभी व्यावसायिक गतिविधियां पूरी तरह से ठप रहीं। व्यापारियों के इस स्वैच्छिक बंद को पूरे शहर का समर्थन मिला। बता दें कि आतंकी हमले में एक कश्मीरी व्यापारी ने छत्तीसगढ़ के 11 लोगों की जान बचाई। चिरमिरी के 11 पर्यटक जो घूमने गए थे, वो भी हमले के वक्त वहीं पहलगाम में मौजूद थे। इनमें भाजपा पार्षद पूर्वा स्थापक, पूर्व पार्षद शिवांश जैन समेत 3 बच्चे भी शामिल थे। शिवांश जैन ने बताया कि भू-स्खलन के कारण सड़क पर जाम लगा था। सड़क के दोनों तरफ पर्यटकों की भीड़ थी। अचानक फायरिंग शुरू हो गई। लोग इधर-उधर भागने लगे। स्थानीय कश्मीरी व्यापारी नजाकत अली ने सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। नजाकत हर साल सर्दियों में चिरमिरी आकर गर्म कपड़े बेचते हैं। पर्यटक उन्हीं के साथ पहलगाम के आस-पास घूम रहे थे।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में एक कश्मीरी व्यापारी ने छत्तीसगढ़ के 11 लोगों की जान बचाई। चिरमिरी के 11 पर्यटक जो घूमने गए थे, वो भी हमले के वक्त वहीं पहलगाम में मौजूद थे। इनमें भाजपा पार्षद पूर्वा स्थापक, पूर्व पार्षद शिवांश जैन समेत 3 बच्चे भी शामिल थे। शिवांश जैन ने बताया कि भू-स्खलन के कारण सड़क पर जाम लगा था। सड़क के दोनों तरफ पर्यटकों की भीड़ थी। अचानक फायरिंग शुरू हो गई। लोग इधर-उधर भागने लगे। स्थानीय कश्मीरी व्यापारी नजाकत अली ने सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। नजाकत हर साल सर्दियों में चिरमिरी आकर गर्म कपड़े बेचते हैं। पर्यटक उन्हीं के साथ पहलगाम के आस-पास घूम रहे थे। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में एक कश्मीरी व्यापारी ने छत्तीसगढ़ के 11 लोगों की जान बचाई। चिरमिरी के 11 पर्यटक जो घूमने गए थे, वो भी हमले के वक्त वहीं पहलगाम में मौजूद थे। इनमें भाजपा पार्षद पूर्वा स्थापक, पूर्व पार्षद शिवांश जैन समेत 3 बच्चे भी शामिल थे। शिवांश जैन ने बताया कि भू-स्खलन के कारण सड़क पर जाम लगा था। सड़क के दोनों तरफ पर्यटकों की भीड़ थी। अचानक फायरिंग शुरू हो गई। लोग इधर-उधर भागने लगे। स्थानीय कश्मीरी व्यापारी नजाकत अली ने सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। नजाकत हर साल सर्दियों में चिरमिरी आकर गर्म कपड़े बेचते हैं। पर्यटक उन्हीं के साथ पहलगाम के आस-पास घूम रहे थे।सभी पर्यटक 18 अप्रैल को गर्मी की छुट्टियां मनाने चिरमिरी से रवाना हुए थे। 21 अप्रैल को वे पहलगाम पहुंचे थे। फायरिंग के दौरान उन्होंने सूझबूझ दिखाते हुए सभी की जान बचाई। घटना के बाद चिरमिरी में परिवारों के लोग चिंतित हैं। पर्यटकों में हैप्पी वधावन, अरविंद अग्रवाल और कुलदीप स्थापक भी अपने परिवार के साथ थे।

घबराए नक्सलियों ने की ऑपरेशन रोकने की अपील

प्रेस नोट जारी कर कहा- अभियान तुरंत रोकना चाहिए, शांतिवार्ता के लिए आगे आएं

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ और तेलंगाना राज्य की फोर्स ने नक्सलियों के खिलाफ सबसे बड़ा संयुक्त ऑपरेशन लॉन्च किया है। जिससे घबराए नक्सलियों ने प्रेस नोट जारी कर अभियान को रोकने की अपील की है। उत्तर पश्चिम सब जोनल ब्यूरों के प्रभारी रूपेश ने प्रेस नोट जारी कर कहा है कि इस अभियान को तुरंत रोकना चाहिए, बलों को वापस लेना चाहिए। हम सरकार से अनुरोध कर रहे हैं कि वार्ता के जरिए समस्या का समाधान का रास्ता अपनाए, अनुकूल माहौल बनाए। उन्होंने लिखा कि इस रास्ते से सकारात्मक नतीजा निकलेगा, सैनिक अभियान को एक महीने के लिए स्थगित करें। हमारे इस अपील पर सरकार से सकारात्मक प्रतिक्रिया की उम्मीद है।

बता दें कि इस इलाके में पिछले 4 दिनों से नक्सलियों के खिलाफ 5 से 8 हजार जवानों का जॉइंट ऑपरेशन चल रहा है। अब तक रुक-रुककर हुई गोलीबारी में 6 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है।इस इलाके में पिछले 4 दिनों से नक्सलियों के खिलाफ 5 से 8 हजार जवानों का जॉइंट ऑपरेशन चल रहा है। अब तक रुक-रुककर हुई गोलीबारी में 6 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। हालांकि, पुलिस ने 3 महिला नक्सली के शव और भारी मात्रा में हथियार बरामद कर लिए हैं। इलाका इतना बड़ा है कि पिछले 3-4 दिनों से फोर्स जंगल और पहाड़ों में सिर्फ पैदल चल रही है।

भूपेश ने पहलगाम हमले को झीरम घाटी कांड से जोड़ा

पूर्व सीएम बोले- दोनों जगह नाम पूछकर हत्या, सुरक्षा नहीं थी, सरकार नाकाम रही

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि पहलगाम की घटना झीरम घाटी हमले जैसी है। दोनों मामलों में नाम पूछकर हत्याएं की गईं, सुरक्षा नहीं थी और सरकार नाकाम रही। भिलाई में भूपेश बघेल ने कहा- पहलगाम हमले ने न केवल 27 परिवारों को उजाड़ा, बल्कि पूरे देश को शोक में डुबो दिया है। कांग्रेस ने पहलगाम हमले का विरोध करते हुए निंदा प्रस्ताव पारित किया है। बघेल ने कहा कि धर्म पूछ-पूछकर हत्याएं की गईं, कलमा पढ़ने के लिए मजबूर किया गया और घोड़ा चला रहे लोगों ने अपनी जान जोखिम में डालकर पर्यटकों को बचाया। उन्होंने कहा कि झीरम घाटी की तरह पहलगाम में भी सुरक्षा नहीं थी। झीरम में 33 लोग मारे गए थे, पहलगाम में 26 लोग मारे गए। उन्होंने कहा कि इस हमले में भी पुलिस और अर्धसैनिक बल मदद के लिए सामने नहीं आए। इस घटना ने झीरम की याद ताजा कर दी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं ने इस घटना की निंदा की, शोक व्यत किया और केंद्र को समर्थन देने की बात कही, लेकिन भाजपा की सोशल मीडिया टीम ने केवल धर्म पूछकर मारा को ही मुय मुद्दा बना दिया। बघेल ने सवाल उठाया कि हमले के समय सहायता यों नहीं पहुंची? इसका जिमेदार कौन है? इंटेलिजेंस फेलियर का जिमेदार कौन है? 25 मई 2013 की शाम नसलियों ने पूरे देश को स्तध कर दिया था। बस्तर की दरभा-झीरम घाटी में नसलियों ने कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा पर हमला कर 30 लोगों की हत्या कर दी थी। इसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुल, पूर्व मंत्री और तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, उनके बेटे दिनेश पटेल, पूर्व मंत्री महेंद्र कर्मा, पूर्व विधायक उदय मुदलियार समेत कांग्रेस के दिग्गज नेता, कार्यकर्ता, जवान मारे गए थे। हत्याकांड की जांच की जिमेदारी केंद्र सरकार ने दो दिन बाद ही 27 मई 2023 को एनआईए को सौंप दी थी।

नेचुरल फार्मिंग के लिए कृषि सखियों का प्रशिक्षण आयोजित

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

एमसीबी नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग के तहत जिले के तीनों विकासखंडों में 700 हेटेयर में नेचुरल फार्मिंग के लिए गांवों का चयन किया गया है। इसके लिए 50 हेटेयर के 14 कलस्टर बनाए गए हैं और प्रत्येक कलस्टर में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत कार्यरत स्वयं सहायता समूह की दीदियों को कृषि सखी के रूप में चयनित किया गया है। इन कृषि सखियों को योजना के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ये कृषि सखियाँ चयनित गांवों में योजना के तहत क्रियान्वयन के लिए किसानों के बीच योजना की जानकारी देंगी और उन्हें प्रशिक्षण प्रदान करेंगी। इस प्रशिक्षण का आयोजन विकासखण्ड मनेन्द्रगढ़ में किया गया, इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी रवि कुमार गुप्ता, कार्यालय उप संचालक कृषि से रोजेंद्र प्रसाद गुप्ता और अंशुल जायसवाल, तथा क्षेत्रीय ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी उपस्थित रहे।

शादी में बूंदी और खाना खाकर 96 लोग बीमार

बीमारों में 69 बच्चे, 5 की हालत गंभीर, बिलासपुर और कोरबा में चल रहा इलाज

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ में एक ही दिन में 96 लोग फूड प्वाइजनिंग के शिकार हुए है, इसमें 69 बच्चे शामिल है। बिलासपुर में कोनी थाना क्षेत्र के तुर्काडीह में गुरुवार को शादी घर में आलू-लौकी और भिंडी की सब्जी बनी थी। जिसे खाने के बाद 45 लोगों को उल्टी-दस्त होने लगी। इनमें 26 बच्चे शामिल है, वहीं 2 की हालत गंभीर है जो ढ्ढष्ट में है। वहीं, कोरबा जिले में भेसमा के पहाड़ी पारा में गुरुवार को शादी समारोह चल रहा था जहां मेहमानों को पॉलिथीन में पैक बूंदी परोसी गई जिसे खाने से 51 लोगों की तबीयत बिगड़ गई। इनमें 43 बच्चे और 6 बुजुर्ग शामिल हैं। तीन बच्चों की हालत गंभीर बनी हुई है।बिलासपुर के तुर्काडीह में रामाधार सांडे के घर वैवाहिक कार्यक्रम चल रहा है। जहां मेहमानों के लिए आलू-लौकी और ?भिंडी की सब्जी बनी थी। बुधवार को उनके घर पर मेहमानों को खाना परोसा गया था, जिसे खाने के दूसरे दिन कई लोगों को उल्टी-दस्त की शिकायत हुई। दूसरे दिन शाम 7 बजे जिनकी हालत बिगड़ी उन्हें सिम्स लाया गया। सभी भर्ती मरीज परिजन और रिश्तेदार ही हैं। इनमें 2 की गंभीर हालत को देखते हुए ढ्ढष्ट में ?शिफ्ट किया गया है। जिसके बाद रात करीब 10 बजे फिर रिश्तेदार और मेहमान इसी तरह की परेशानी लेकर अस्पताल पहुंच गए। इधर, इस घटना की जानकारी मिलते ही सीएमएचओ डॉ. प्रमोद तिवारी ने स्वास्थ्य विभाग की टीम को गांव भेजा। साथ ही पारिवारिक आयोजनों में भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने, स्वच्छता नियमों का पालन करने के निर्देश दिए हैं। सिम्स के डीन डॉ. रमणेश मूर्ति ने बताया कि फूड पॉइजनिंग से 45 लोग बीमार हुए हैं। सभी का सिम्स में उपचार चल रहा है। एक की हालत को देखते हुए ढ्ढष्ट में शिफ्ट किया गया है। बाकी मरीजों की स्थिति सामान्य है।

शादी में शामिल गांव वालों को बूंदी परोसा...

जानकारी के मुताबिक, कोरबा में अमित कुमार सारथी की शादी थी। कार्यक्रम गुरुवार को एक दिन का था। पहाड़ी पारा में गांव भर लोग शामिल होने पहुंचे थे। जहां सभी को पॉलिथीन में पैक किया हुआ बूंदी दिया गया था जिसे खाने के बाद लोगों की तबीयत बिगड़ी। रात 12 बजे के बाद मरीजों को उल्टी और दस्त की शिकायत शुरू हुई। सभी को 108 एंबुलेंस की मदद से मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिला मेडिकल कॉलेज के डीन कमल किशोर सहारे ने बताया कि एक के बाद एक लगातार मरीज आते रहे। अस्पताल में विशेष टीम ने मरीजों का इलाज शुरू किया। जहां 3 बच्चों की हालत गंभीर थी, लेकिन अब उन पर भी नियंत्रण पा लिया गया है। फिलहाल सभी मरीजों की स्थिति है। खराब खाने के कारण इनकी तबीयत बिगड़ी है।कोरबा सीएसपी भूषण ने बताया कि शादी में गांव वालों को आमंत्रित किया गया था। कुछ लोगों ने बूंदी वहीं खा ली और कुछ घर ले गए। प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं।

दिनेश की पत्नी बोलीं-सुरक्षा होती तो वो हमारे बीच होते

भावुक होकर कहा-दोबारा कोई परिवार ना बिखरे, ओडिशा के डिप्टी CM ने की बात

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

जम्मू कश्मीर में हुए आतंकी हमले में रायपुर के कारोबारी दिनेश मिरानिया की मौत हो गई। मिरानिया परिवार मूल रूप से ओडिशा के बलांगीर जिले के लाठौर के निवासी है। इस घटना के बाद ओडिशाा के डिप्टी सीएम और सांसद ने दिनेश की पत्नी नेहा मिरानिया से फोन पर बातचीत की। इस बातचीत के दौरान नेहा भावुक दिखाई दीं। उन्होंने डिप्टी सीएम से कहा कि, दोबारा ऐसी घटनाएं न हो इसके लिए सरकार पुख्ता इंतजाम करें। अगर वहां सुरक्षा के इंतजाम होते तो दिनेश हमारे साथ होते। नेताओं ने भी परिवार को हरसंभव मदद का भरोसा दिया। दरअसल, स्टील कारोबारी दिनेश मिरानिया का पूरा परिवार कारोबार की वजह से कई सालों पहले रायपुर आकर बस गया था। हालांकि ओडिशा में आज भी उनके पारिवारिक और व्यापारिक संबंध है। जिस वजह से ओडिशा के डिप्टी सीएम कनक वर्धन सिंह देव और बलांगीर सांसद संगीता देव ने फोन पर परिजनों से बात की।बातचीत के दौरान दिनेश की पत्नी नेहा ने कहा कि सुरक्षा में चूक होने की वजह से यह घटना हुई है। उन्होंने कहा कि वहां पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम होते तो आज दिनेश हमारे बीच रहते। सरकार को टूरिस्ट इलाकों पर सुरक्षा के लिए पर्याप्त इंतजाम करना चाहिए। जिससे कि कोई परिवार दोबारा न बिखरे। आतंकवादी किसी और को शिकार न बनाएं।

क्या थी घटना?

दिनेश अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ के साथ वैष्णो देवी यात्रा और जमू कश्मीर घूमने गए हुए थे। घटना के दिन वह पहलगाम में थे। इस दौरान आतंकवादियों ने उनके कनपटी पर गोली मार दी थी। इस घटना में दिनेश की बेटी लक्षिता बाल-बाल बची थी। इंडियन आर्मी ने बेटी को सुरक्षा घेरे में ले लिया था।

डिप्टी सीएम का जताया आभार

नेहा ने ओडिशा के डिप्टी सीएम का आभार जताते हुए कहा कि, उनके बच्चों को सुरक्षित तरीके से घर वापस लाया गया। इसके अलावा इस कठिन समय में सरकार ने परिवार का साथ दिया। इसके लिए उन्होंने धन्यवाद दिया। इस बातचीत के बाद ओडिशा के दोनों नेताओं ने रायपुर दौरे में आकर परिवार से मुलाकात करने की बात कही। साथ ही सरकार की तरफ से आगे भी हर संभव मदद का भरोसा दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के सामने परिवार के दर्द को रखने की बात कही।

बुजुर्ग की समस्या का तुरंत समाधान

कलेक्टर ने दिन में सुनी शिकायत, रात में पटवारी ने घर जाकर दिए दस्तावेज

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

कोरिया जिले में 80 वर्षीय बुजुर्ग को भूमि संबंधी परेशानी थी जिस पर कलेक्टर चंदन त्रिपाठी ने तुरंत संज्ञान लिया। ग्राम जूनापारा के रामचरण रजवार ने कलेक्टर के समक्ष अपनी समस्या रखी जिसका तुरंत समाधान किया गया। रामचरण ने बताया कि उनके बड़े भाई रामबक्स के नाम पर जूनापारा में 0.7400 हेक्टेयर कृषि भूमि दर्ज है। भाई के निधन के बाद इस भूमि में उनका भी हिस्सा है। भाई की पत्नी और पुत्रवधू भी उनके नाम को सहखातेदार के रूप में जोड़ने पर सहमत हैं। कलेक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बैकुंठपुर तहसीलदार डॉ. अमृता सिंह को तुरंत निर्देश दिए। उन्होंने पटवारी और आरआई को भी सक्रिय किया। कलेक्टर के निर्देश का असर यह हुआ कि उसी रात करीब 9 बजे पटवारी ज्योति नेताम रामचरण के घर पहुंचीं। उन्होंने बुजुर्ग को राजस्व दस्तावेज बी वन पत्र सौंपा। कलेक्टर त्रिपाठी ने कहा कि हर नागरिक की बात सुनना और समय पर समाधान करना उनकी जिम्मेदारी है। यह घटना दर्शाती है कि सच्चा सुशासन केवल अभियानों से नहीं, बल्कि अधिकारियों की संवेदनशीलता से आता है।

विश्व मलेरिया दिवस पर भरतपुर में जागरूकता कार्यक्रम

मच्छरदानी का उपयोग और घर की नियमित सफाई करने की अपील

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

एमसीबी जिले भरतपुर में विश्व मलेरिया दिवस पर एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर. के. रमन और विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक सुलेमान खान के मार्गदर्शन में हुआ। विकासखंड मलेरिया पर्यवेक्षक राय सिंह श्याम ने कार्यक्रम का संचालन किया। खंड चिकित्सा अधिकारी ने मलेरिया से बचाव के महत्वपूर्ण उपाय बताए। बुखार, सिरदर्द और ठंड लगने पर तुरंत खून की जांच कराने की सलाह दी गई। उन्होंने बताया कि नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में मलेरिया की जांच और इलाज निःशुल्क उपलब्ध है। मोहल्लों में मितानिन द्वारा मलेरिया की जांच की जाती हैं। मलेरिया से बचाव के लिए नियमित रूप से मच्छरदानी का उपयोग करने की सलाह दी गई। घरों के आस-पास नियमित सफाई और सप्ताह में एक बार फ्रिज, कूलर की सफाई पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में खंड विस्तार प्रशिक्षण अधिकारी आरपी सोनवंशी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जनकपुर के कर्मचारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे। सभी ने मलेरिया उन्मूलन के लिए सजग रहने का संकल्प लिया।

पेट दर्द को हार्ट अटैक बोलकर एंजियोप्लास्टी कर दी

फर्जी डॉक्टर नरेंद्र का एक और कारनामा, बेटे ने कहा- आरोपी पर दर्ज हो मर्डर केस

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में पदस्थ रहे अपोलो अस्पताल के फर्जी कार्डियोलॉजिस्ट नरेंद्र विक्रमादित्य यादव का एक और कारनामा सामने आया है। उसने पेट दर्द से परेशान व्यवसायी को हार्ट का पेशेंट बताया और एंजियोप्लास्टी कर दिया, जिससे उनकी तबीयत बिगड़ गई और उनकी मौत हो गई। 19 साल बाद बेटे ने इस मामले की शिकायत सरकंडा थाने में की है, जिसमें उन्होंने अपोलो अस्पताल प्रबंधन के साथ ही आरोपी डॉक्टर पर हत्या का केस दर्ज करने की मांग की।तोरवा निवासी सुरेश डोडेजा फल व्यवसायी हैं। गुरुवार को उन्होंने सरकंडा थाना पहुंचकर डॉक्टर नरेंद्र विक्रमादित्य यादव के खिलाफ शिकायत की। उन्होंने बताया कि उनके पिता भगतराम डोडेजा (58) आदर्श फूट वियर के संचालक थे। 26 नवंबर 2006 को अचानक उनके पेट में दर्द हुआ, तब उन्हें इलाज के लिए अपोलो अस्पताल लेकर गए। इस दौरान उन्होंने अपोलो अस्पताल के डॉ. नरेंद्र विक्रमादित्य यादव उर्फ जॉन केम से अपॉइंटमेंट लिया। शुरुआती जांच के बाद उन्होंने भगतराम को अस्पताल में भर्ती कर इलाज शुरू किया। जिसके बाद बताया कि उन्हें हार्ट की समस्या है और एंजियोप्लास्टी करना पड़ेगा। उनसे दो लाख रुपए जमा कराया गया। फिर उन्हें आईसीयू में रखा गया, जिसके बाद देर रात उनकी मौत हो गई। सुरेश डोडेजा ने बताया कि उस समय मामला दबा दिया गया। अब जब पता चला है कि फर्जी डॉक्टर के इलाज से दमोह में हार्ट सर्जरी और इलाज के बाद कई लोगों की मौत हो गई है। उसने ही छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष पं. राजेंद्र प्रसाद शुक्ल का इलाज किया था। इस मामले में उनके बेटे ने भी शिकायत की है। लिहाजा, उन्होंने भी पूरे मामले की शिकायत की। दमोह स्थित मिशन अस्पताल में पदस्थ डॉ. विक्रमादित्य के इलाज के बाद कई लोगों की मौत हो गई। इसकी शिकायत के बाद जांच में पता चला कि उनकी डिग्री ही फर्जी है। दमोह पुलिस ने आरोपी डॉक्टर को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल वह न्यायिक रिमांड पर है। ऐसे में बिलासपुर में दर्ज दोनों मामलों की पूछताछ के लिए टीम जल्द दमोह रवाना होगी। फर्जी डॉक्टर नरेंद्र विक्रमादित्य यादव और अपोलो प्रबंधन के खिलाफ हत्या का केस दर्ज करने और दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग को लेकर कांग्रेस कमेटी ने कलेक्टर से शिकायत की है। इसमें कहा गया है कि जिस तरह से अपोलो अस्पताल प्रबंधन ने बिना डिग्री की जांच किए फर्जी डॉक्टर को नियुक्ति दी, उससे मरीजों का इलाज कराया और उनकी जानें चली गई। ऐसे लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया जाना चाहिए। ताकि भविष्य में कोई भी फर्जी डॉक्टर बनकर मरीजों की जीवन से खिलवाड़ न कर सके।

विश्व मलेरिया दिवस पर भरतपुर में जागरूकता कार्यक्रम

किशोरी से रेप के आरोप को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

सरगुजा जिले के सीतापुर थाना क्षेत्र में नाबालिग किशोरी से रेप के आरोप 50 वर्षीय अधेड़ को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने किशोरी को अकेला पाकर उसके साथ रेप किया और फरार हो गया था। पुलिस ने खोजबीन के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, 23 अप्रैल को सीतापुर थाना क्षेत्र की किशोरी अपने घर से दोपहर में निकलकर कहीं जा रही थी। उसे सिमोन पन्ना ने खाली मकान के पास अकेली देखकर पकड़ लिया और उसे अंदर ले जाकर उसके साथ रेप किया। रेप के बाद आरोपी भाग निकला। पिता ने दर्ज कराई रिपोर्ट जिस मकान में आरोपी ने रेप की घटना को अंजाम दिया, वहां कोई नहीं रहता है। मकान से आरोपी को एवं कुछ देर बाद किशोरी को निकलते हुए गांव की महिलाओं ने देख लिया और सूचना किशोरी के परिजनों को दी। किशोरी ने पूछताछ में रेप की जानकारी दी। किशोरी के पिता ने थाने पहुंच घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई। सीतापुर टीआई प्रदीप जायसवाल ने बताया कि किशोरी के पिता ने 24 अप्रैल को सीतापुर थाने में घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी सिमोन पन्ना (50 साल) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ धारा 64 बीएनएस एक्ट एवं 4,6 पॉक्सो एक्ट का अपराध दर्ज कर उसे कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट से न्यायिक रिमांड पर आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में एक आतंकी ढेर

श्रीनगर (एजेंसी)। यह मुठभेड़ कुलनार इलाके में हुई, जहां आतंकियों के छिपे होने की सूचना पर सेना और पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू किया था। (फाइल विजुअल्स) उत्तर कश्मीर के बांदीपोरा जिले में सेना और आतंकियों के बीच चल रहे एनकाउंटर में 1 आतंकी मारा गया है। वहीं, 2 जवान घायल हो गए हैं। इससे पहले शुक्रवार सुबह सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। मारे गए आतंकी का नाम अल्ताफ बताया जा रहा है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में पिछले 2 दिन में यह चौथा एनकाउंटर है। यह मुठभेड़ कुलनार इलाके में हुई, जहां आतंकियों के छिपे होने की सूचना पर सेना और पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू किया था। जैसे ही जवान इलाके में पहुंचे, आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई।

सिक्किम में भारी बारिश से लैंडस्लाइड, 1 हजार पर्यटक फंसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश भर में अभी दो तरह के मौसम देखने को मिल रहे हैं। अधिकतर राज्यों में जहां भीषण गर्मी है, तो पूर्वोत्तर राज्यों में भारी बारिश हो रही है। सिक्किम में लगातार हो रही बारिश के कारण लैंडस्लाइड हुआ। इसके कारण करीब 1,000 पर्यटक फंस गए हैं। राजधानी गंगटोक से करीब 100 किलोमीटर दूर लाचेनचुंगथांग रोड पर मुंशीथांग और लेमा/बॉब में पर्यटकों की करीब 200 गाड़ियां फंसी हुई हैं। उनमें सवार पर्यटक एक गुरुद्वारे में ठहरे हुए हैं। लाचुंग और लाचेन तक पहुंचने वाले रास्ते बुरी तरह प्रभावित हुए हैं, जिससे पर्यटकों का निकला मुश्किल हो गया है। लाचुंग और लाचेन हिल स्टेशन हैं, जो गुरुडोंगमार झील और युमथांग घाटी के कारण अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाने जाते हैं। अधिकारियों ने बताया कि लगातार बारिश के कारण स्थिति और खराब हो गई है। सिक्किम में अगली सूचना तक पर्यटकों के आने पर रोक लगा दी गई है। उनके ट्रैवल परमिट भी रद्द कर दिए गए हैं। दूसरी तरफ, अरुणाचल प्रदेश के वेस्ट कामेंग जिले के दिरांग इलाके में कई एकड़ जंगल आग ती चपेट में है। गुरुवार रात जंगल में आग के वीडियो सामने आए, जिसमें पूरा पहाड़ धधकता दिखा। पुलिस, फायर सर्विस, स्थानीय प्रशासन और लोगों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया है। किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

पाकिस्तान ने बीएसएफ जवान 48 घंटे बाद भी नहीं छोड़ा

फिरोजपुर (एजेंसी)। पंजाब में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से पकड़े बीएसएफ जवान को पाकिस्तानी रेंजर्स ने 48 घंटे बाद भी नहीं छोड़ा। इसको लेकर क्गस्स्न और पाकिस्तानी रेंजर्स की मीटिंग भी बेनतीजा रही। पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों देशों में तनाव है। पाकिस्तानी रेंजर्स के रवैये को इसी से जोड़कर देखा जा रहा है। उधर, मीडिया से बातचीत करते हुए बीएसएफ जवान पीके साहू के भाई श्यामसुंदर साहू ने केंद्र सरकार और बीएसएफ अधिकारियों से तुरंत हस्तक्षेप करने का आग्रह किया।

सिंधु जल संधि तत्काल प्रभाव से स्थगित की गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को स्थगित करने का फैसला लिया था। गुरुवार देर रात भारत की तरफ से पाकिस्तान को चिठ्ठी भेजकर इसकी आधिकारिक जानकारी दे दी गई। भारत में जल शक्ति मंत्री सचिव देवश्री मुखर्जी ने पाकिस्तानी जल संसाधन मंत्रालय के सचिव मुर्तजा को पत्र लिखा है। इसमें कहा गया कि, यह संधि अच्छे संदर्भ में की गई थी, लेकिन अच्छे रिश्तों के बिना इसे बनाए नहीं रखा जा सकता।

पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि के खत्म होने को एक्ट ऑफ वॉर बताया है।

पाकिस्तानी सरकार ने कहा- अगर भारत सिंधु जल समझौते को रोकता है तो इसे एक्ट ऑफ वॉर यानी जंग की तरह माना जाएगा। पहलगाम के नजदीक बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को आतंकियों ने 26 टूरिस्ट की हत्या कर दी थी। इनमें एक नेपाली नागरिक शामिल था। 10 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। इसके बाद भारत ने जल संधि स्थगित करने सहित 5 बड़े फैसले लिए थे। भारत सरकार की तरफ से पाकिस्तान सरकार को नोटिस भेजा जा रहा है। जिसमें संधि के अनुच्छेद एक्सआईआई(3) के तहत सिंधु जल संधि 1960 में संशोधन की मांग की गई है। इस लेटर में उन मुद्दों का हवाला दिया गया है जिसके चलते समझौते पर दोबारा विचार करने की आवश्यकता है। संधि के बाद से अब तक जनसंख्या में काफी बदलाव हुआ है। ऐसे में क्लीन एनर्जी डेवलेपमेंट में तेजी लाने के लिए कुछ बदलाव करने जरूरी हो जाते हैं। किसी भी समझौते में सबसे जरूरी होता है कि उस संधि का सम्मान किया जाए। इसके बजाय पाकिस्तान की तरफ से केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर को निशाना बनाकर सीमा पार आतंकवाद जारी है।

पहलगाम हमले पर भागवत बोले- धर्म पूछकर हत्या करना निंदनीय

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने लोगों से उनका धर्म पूछने के बाद हत्या की। हिंदू कभी ऐसा नहीं करेगा। मोहन भागवत ने आगे कहा कि, यह लड़ाई धर्म और अधर्म के बीच की है। हमारा देश कितना शक्तिशाली है यह दिखाने का समय आ गया है। भागवत ने ये बातें मुंबई में एक कार्यक्रम में कहीं। भागवत ने कहा, हमारे दिल में दर्द है। हम गुस्से में हैं। लेकिन बुराई को नष्ट करने के लिए ताकत दिखानी होगी। भागवत ने उदाहरण के तौर पर अपने भाषण में बताया कि रावण भगवान शिव के भक्त थे लेकिन वे बुराईयों से दूर नहीं रह सके। भगवान राम ने रावण को सुधरने का मौका भी दिया लेकिन बाद में सबक सिखाना ही पड़ा।

भागवत बोले- बुरी नीयत वालों की आंख फोड़ देनी चाहिए आरएसएस प्रमुख ने यह भी कहा कि ऐसी त्रासदियों को रोकने और दुर्भावनापूर्ण इरादे को रोकने के लिए समाज के भीतर एकता आवश्यक है। उन्होंने कहा, अगर हम एकजुट हैं, तो कोई भी हमें बुरी नीयत से देखने की हिम्मत नहीं करेगा। और अगर कोई ऐसा करता है, तो उसकी आंख फोड़ दी जाएगी।

घृणा और शत्रुता हमारे स्वभाव में नहीं है। लेकिन चुपचाप नुकसान सहना भी नहीं है। एक सच्चे अहिंसक व्यक्ति को मजबूत भी होना चाहिए।

पूर्व इसरो चीफ के. कस्तूरीरंगन नहीं रहे

बेंगलुरु (एजेंसी)। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन के पूर्व चीफ डॉ के. कस्तूरीरंगन की शुक्रवार सुबह मौत हो गई। वह 84 साल के थे। अधिकारियों ने बताया कि कस्तूरीरंगन ने बेंगलुरु में अपने घर पर अंतिम सांस ली। 27 अप्रैल को उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट में रखा जाएगा। कस्तूरीरंगन को दो साल पहले दिल का दौरा पड़ा था। उसके बाद से वे बीमार चल रहे थे। कस्तूरीरंगन 1994 से 2003 तक इसरो चीफ थे।

उन्हीं के नेतृत्व में इसरो ने चंद्रयान जैसे बड़े मिशनों की योजना बनानी शुरू की थी। वे न्यू एजुकेशन पॉलिसी की ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष भी थे। कस्तूरीरंगन ने जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी के चांसलर और कर्नाटक नॉलेज कमीशन के अध्यक्ष के रूप में काम किया था। वे 2003 से 2009 तक राज्यसभा के सदस्य थे। वे तत्कालीन भारतीय योजना आयोग के सदस्य के रूप में भी काम कर चुके थे। कस्तूरीरंगन अप्रैल 2004 से 2009 तक बेंगलुरु स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के डायरेक्टर भी थे। वे केंद्र की कई कमेटियों का नेतृत्व किया या उनमें शामिल रहे। उन्होंने उच्च शिक्षा, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण सहित कई मुद्दों पर सरकार को सलाह दी।

अमित शाह ने मुख्यमंत्रियों से कहा- पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजो

पहलगाम/नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार दोपहर सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ मीटिंग की। उन्होंने मुख्यमंत्रियों से अपील की कि वे अपने-अपने राज्यों में पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करें और उन्हें वापस भेजें।

इस बीच आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी श्रीनगर पहुंचे, यहां उन्होंने एलजी मनोज सिन्हा से मुलाकात की। इसके बाद जनरल द्विवेदी बैसरन घाटी पहुंचे हैं, जहां 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने हमला किया था।

हमले के 3 दिन बाद सेना ने बड़ा एक्शन लिया। जम्मू-कश्मीर के त्राल और अनंतनाग के बिजबेहरा में 2 लश्कर आतंकियों के यहां सर्च ऑपरेशन चलाया। ऑपरेशन के दौरान दोनों के घरों में रखा एक्सप्लोसिव ब्लास्ट हो गया। धमाके में आसिफ शेख और आदिल ठोकेर के

घर पूरी तरह तबाह हो गए। इधर, बांदीपोरा में सर्च ऑपरेशन के दौरान शुरू हुए एनकांटर में सुरक्षा बलों ने एक आतंकवादी को मार गिराया है। 2 जवान भी घायल हैं। पहलगाम की बैसरन घाटी में 22 अप्रैल की दोपहर आतंकवादियों ने पर्यटकों पर फायरिंग की थी। हमले में 26 टूरिस्ट मारे गए थे। 10 से ज्यादा घायल हैं।

मजीठिया ड्रग तस्करी मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

चंडीगढ (एजेंसी)। शिरोमणि अकाली दल के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया के खिलाफ दर्ज मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने मजीठिया की जमानत रद्द करने की पंजाब सरकार की याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने बिक्रम सिंह मजीठिया और पंजाब पुलिस को मामले के बारे में कोई भी सार्वजनिक बयान देने से बचने का निर्देश दिया है। जब भी एसआईटी उन्हें जांच के लिए बुलाएगी, उन्हें पेश होना पड़ेगा। इससे पहले वह लगातार एसआईटी के बुलाने पर पटियाल में जाकर अपने बयान दर्ज करवाते रहे हैं।?? इससे पहले, 4 मार्च को अदालत ने एक अंतरिम आदेश में मजीठिया को 17 मार्च को पंजाब पुलिस के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया था। अदालत पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के 10 अगस्त, 2022 के आदेश के खिलाफ पंजाब पुलिस द्वारा दायर की गई अपील की सुनवाई कर रही थी।

सरकारी वकील ने कहा हम आरोपी के खिलाफ जांच कर रहे हैं। हम कोर्ट से सर्च वारंट के लिए जाते हैं। इसके बाद आरोपी सोशल मीडिया पर आता है और कहता है कि तलाशी अभियान चलाया जाना है। वह जांच के हर चरण को होने से पहले ही जान लेता है। इस पर कोर्ट ने सरकारी वकील से पूछा कि इससे तलाशी पर क्या प्रभाव पड़ा है? इस पर वकील ने कहा कि जहां भी हमें तलाशी लेने की जरूरत थी

मेधा पाटकर की गिरफ्तारी, फिर रिहा हुईं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार सुबह नर्मदा बचाओ आंदोलन की नेता मेधा पाटकर को गिरफ्तार कर लिया था। हालांकि, कोर्ट ने मेधा पाटकर को प्रोबेशन बॉन्ड पेश करने और मुआवजा राशि जमा करने की शर्त पर दोपहर में रिहा कर दिया। मेधा पाटकर की गिरफ्तारी दिल्ली के निजामुद्दीन से की गई थी। मेधा के खिलाफ कोर्ट ने गैरजमानती वारंट जारी किया था। यह कार्रवाई दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना की दायर मानहानि याचिका में की गई है। साकेत कोर्ट ने 23

अप्रैल को मेधा पाटकर के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। अदालत ने पाटकर को प्रोबेशन बॉन्ड और एक लाख रुपए का जुर्माना जमा करने का निर्देश दिया था। सुनवाई में पाटकर न तो खुद उपस्थित हुईं और न ही उन्होंने जुर्माना राशि जमा की। यह मामला साल 2000 का है। पाटकर ने सक्सेना पर टिप्पणी की थी। उन्होंने कथित तौर पर सक्सेना को %कायर% कहा था और आरोप लगाया था कि वह हवाला लेनदेन में शामिल हैं। दिल्ली के मौजूदा उपराज्यपाल उस समय गुजरात में एक एनजीओ का नेतृत्व कर रहे थे। सक्सेना के एनजीओ ने गुजरात सरकार की सरदार सरोवर परियोजना का खुलकर समर्थन किया था।

राहुल गांधी पहुंचे श्रीनगर

श्रीनगर (एजेंसी)। राहुल गांधी शुक्रवार को पहलगाम आतंकी हमले में घायल हुए लोगों से मिलने कश्मीर पहुंचे हैं। 22 अप्रैल को हुए हमले में घायल हुए 26 लोगों, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे, के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेने के लिए गांधी बादामीबाग छावनी में सेना के बेस अस्पताल का दौरा कर सकते हैं। जानकारी है कि गांधी पार्टी, व्यापार और पर्यटन क्षेत्र के प्रतिनिधिमंडलों से भी मिलेंगे। उन्होंने बताया कि विपक्ष के नेता जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से अलग-अलग मुलाकात कर सकते हैं। राहुल गांधी हमले और उसके बाद की स्थिति के मद्देनजर कश्मीरियों समेत देश के लोगों के घावों पर मरहम लगाने का संदेश लेकर आए हैं। कांग्रेस नेता ने हमले के बाद गुरुवार को बुलाई गई कांग्रेस कार्यसमिति की महत्वपूर्ण बैठक में भाग लेने के लिए अमेरिका की अपनी यात्रा बीच में ही छोड़ दी।

हिसार में पाकिस्तानी परिवार पकड़ा

हसार (एजेंसी)। हरियाणा में हिसार के बालसमंद से एक पाकिस्तानी हिंदू परिवार को दिल्ली भेज दिया गया है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की है। इस परिवार में कुल 15 सदस्य हैं। परिवार पिछले 7 महीने से बालसमंद में रह रहा था। परिवार में 3 लड़कियां, 8 बच्चे, 3 महिलाएं और एक बुजुर्ग शामिल हैं। ये सभी पाकिस्तान के सिंध हैदराबाद से आए थे। परिवार एक अक्टूबर 2024 को वीजा समाप्त होने के बाद भी यहीं रह रहा था। परिवार एक निजी अस्पताल की जमीन पर बने कमरे में रह रहा था। सभी सदस्य खेतों में दिहाड़ी मजदूरी करके अपना गुजारा कर रहे थे।

परिवार ने खुद को हिंदू बताया था। परिवार का कहना है कि वे पाकिस्तान वापस नहीं जाना चाहते। उनका आरोप है कि पाकिस्तान में उन्हें बहुत प्रताड़ित किया जाता है। वे भारत में ही रहना चाहते हैं।

बहराइच में राइस मिल ड्रायर फटा, 5 की मौत

बहराइच (एजेंसी)। बहराइच में राइस मिल का ड्रायर फटने से 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 की हालत गंभीर है। हादसा शुक्रवार सुबह 7 बजे हुआ। इस दौरान मिल में 15-17 मजदूर काम कर रहे थे। तभी मिल का ड्रायर फट गया। इसके बाद आग लग गई। थोड़ी देर में मिल में धुआं भर गया। इसके चलते मजदूर बेहोश होकर इधर-उधर गिरने लगे। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। सभी को अस्पताल पहुंचाया गया। यहां डॉक्टरों ने 5 मजदूरों को मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही डीएम मोनिका रानी मौके पर पहुंची हैं। उन्होंने कहा- राइस मिल में धान सुखाया जा रहा था, तभी हादसा हो गया। मैं जान बचाकर वहां से भागा.... जिस वक्त हादसा हुआ, उस समय श्रावस्ती के रहने वाले लवकुश भी मिल में काम कर रहे थे। उन्होंने बताया- हम लोग धान को सुखा रहे थे, तभी अचानक ड्रायर फट गया। इससे आग लग गई। हम लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की। इस दौरान पूरे राइस मिल में धुआं भर गया। लोग बेहोश होकर गिरने लगे। यह देखकर मैं जान बचाकर वहां से भागा और आसपास के लोगों को बुलाया। इसके बाद सभी को बाहर निकाला गया। कन्नौज के 3 और बिहार और श्रावस्ती के एक-एक मजदूर की मौत मृतकों की पहचान कन्नौज निवासी गफ्फार अली (40), बबलू (28), राजनेश (35), श्रावस्ती निवासी हूर (50) और बिहार निवासी बिट्टू शाह (30) के रूप में हुई है। वहीं, सुखदेव, देवी प्रसाद और सुरेंद्र शुक्ला का इलाज मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में जारी है।

फिर हुआ विमान हादसा, लैंडिंग के दौरान प्लेन क्रेस, पायलट की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्जीनिया के हैम्पटन शहर में उस वक्त मातम छा गया जब एक सैन्य अड्डे पर अभ्यास उड़ान के दौरान एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह हादसा एयर पावर ओवर हैम्पटन रोड्स एयर शो की तैयारियों के तहत हो रही रिहर्सल के दौरान हुआ। हादसे में पायलट की मौके पर ही मौत हो गई, जिससे एयर शो से पहले ही इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। यह दुर्घटना 'ज्वाइंट बेस लैंगली-यूस्टिस' में हुई, जब विमान लैंडिंग की प्रक्रिया में था। विमान में केवल एक ही व्यक्ति मौजूद था-पायलट-जिसकी पहचान अब तक सार्वजनिक नहीं की गई है। वह आगामी सप्ताहांत में होने वाले एयर शो के लिए उड़ान अभ्यास कर रहा था। बेस के कमांडर, कर्नल मैथ्यू ऑल्टमैन ने हादसे पर गहरा शोक जताते हुए कहा, आज हमने अपने वायुसेना परिवार के एक सदस्य को खो दिया। पूरी जेबीएलई टीम की ओर से, हम उनके परिवार और करीबियों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हैं। दुर्घटनाग्रस्त विमान एमएक्सएस मॉडल का था, जो एकल सीट वाला हल्का विमान है और एरोबैटिक प्रदर्शन के लिए प्रसिद्ध है। %नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड ने इस हादसे की जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

अग्निवीरों की भर्ती मामले में 3 नेवी ऑफिसर गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओडिशा में अग्निवीर योजना में भर्ती के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले 3 नेवी अफसरों को गिरफ्तार किया गया है। खुर्दा पुलिस ने गुरुवार को ये कार्रवाई की। एक अफसर रिटायर हो चुका है। इन पर आरोप है कि ये कैंडिडेट्स को भर्ती में मदद करने का भरोसा दिलाते थे और उनसे पैसे ऐंठते थे। पुलिस ने बताया कि आईएएनएस केसरी पर तैनात सत्यम चाहर, आईएएनएस चिल्का पर तैनात विनय कुमार रे और रिटायर्ड अफसर भूषण को अरेस्ट किया गया है। भूषण उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। खुर्दा एसपी सागरिका नाथ ने कहा कि आईएएनएस चिल्का के ट्रेनिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कमांडर अद्वितीय सिंह इन लोगों को बारे में शिकायत की थी। आरोप है कि ये लोग अग्निवीर और सामान्य भर्ती कराने के नाम पर उम्मीदवारों से पैसे वसूल रहे थे। ये लोग कैंडिडेट्स को धमकाते भी थे। ये कैंडिडेट्स से कहते थे कि मेडिकल जांच, पुलिस वेरिफिकेशन और भर्ती में मदद करेंगे।

वॉट्सऐप और टेलीग्राम पर इन्होंने कई ग्रुप बना रखे थे, जिनके जरिए ये डॉक्यूमेंटेशन का झांसा देते थे। इन्होंने कैंडिडेट्स से 30 हजार से एक लाख रुपए तक लिए हैं।

एसपी नाथ ने बताया कि पुलिस टीम ने इन लोगों के लेन-देन के डॉक्युमेंट्स जब्त किए हैं। 2 और व्यक्तियों की तलाश की जा रही है, जिन पर इस तरह के आरोप पहले भी लग चुके हैं। हम पिछली शिकायतों में भी इनके रोल की जांच कर रहे हैं। हमने 12 बैंक अकाउंट सीज कर दिए हैं।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद मस्जिदों में काली पट्टी बांधकर नमाज पढ़ी गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद आज तीसरे दिन देशभर में आतंकियों के खिलाफ प्रदर्शन जारी है। जगह-जगह पर पाकिस्तान और आतंकियों का पुतला जलाया जा रहा है।

वहीं, आज हमले के बाद पहली जुमे की नमाज है। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने आज जुमे की नमाज के समय काली पट्टी बांधी। फिर आतंकी घटना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने हिन्दुस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए। वहीं, हमले में मारे गए टूरिस्ट्स को श्रद्धांजलि दी। असदुद्दीन ओवैसी ने हैदराबाद में जुमे की नमाज से पहले मस्जिद पहुंचे लोगों को काली पट्टी बांटी। इससे पहले गुरुवार को कई मुस्लिम संगठनों ने इस दौरान काली पट्टी पहनकर नमाज पढ़ने की अपील की थी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार दोपहर करीब 2.45 बजे

आतंकियों ने फायरिंग की। बैसरन घाटी घूमने आए पर्यटकों को निशाना बनाया गया। फायरिंग में 26 लोगों की मौत हुई, कई लोग घायल हुए।

पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ देशभर में हो रहे प्रदर्शन को देखने के लिए लाइव ब्लॉग से गुजर जाएं... दिल्ली की मटिया महल बाजार व्यापार संघ ने जुमे की नमाज के बाद जामा मस्जिद की सीढ़ियों पर पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। दिल्ली में यूथ कांग्रेस ने पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के समर्थन में तिरंगा यात्रा निकाली और शांति व एकता का संदेश दिया। कोच्चि में पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए केरल निवासी एन रामचंद्रन का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया गया। श्रीनगर के लाल चौक में व्यापारी संघ ने पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में बाजार में दुकानों के बाहर काले झंडे लगाए।

पहलगाम अटैक पर आया पूर्व पाकिस्तान क्रिकेटर का रिएक्शन, कहा- मुझे भी गोली मार दें...

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। आतंकवादियों ने मंगलवार को 26 लोगों की हत्या कर दी। पाकिस्तानी आतंकियों ने पहलगाम में पर्यटकों पर गोलीबारी की थी। पहलगाम अटैक पर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली का रिएक्शन आया है। उन्होंने पीड़ित परिवारों को श्रद्धांजलि दी है। साथ ही उन्होंने कहा कि हमलावरों को जनता के सामने गोली से उड़ा देना चाहिए।

बासित ने अपने यूट्यूब पर कहा कि, पहलगाम हमले में 26 लोगों की जान ले ली गई। मैं तो उन्हें शहीद बोलूंगा। ये बहुत बड़ा जुल्म हुआ है। जो चीजें मैंने सुनी हैं, वो काबिले-ए-माफी नहीं हैं। कोई भी हो। किसी को भी किसी की जान लेने का हक नहीं है। ये मेरा मजहब बोलता है। वो मुसलमान हो ही नहीं सकता, जो किसी की जान ले। अगर मेरा बड़ा भाई भी होगा तो मैं गोली मार दूंगा। पहलगाम की खबर बहुत ही अफसोसनाक है। पीड़ित परिवारों को श्रद्धांजलि। पूर्व पाक क्रिकेटर ने आगे कहा कि, जिसने भी इसको अंजाम दिया है, उन्हें माफी नहीं मिलनी चाहिए। कोई भी हो। अगर मैं भी हूं तो मुझे सूली पर लटका देना चाहिए। मुझे गोली मार देनी चाहिए। बेकसूर लोगों की जान ली गई है जो बेचारे छुट्टी मनाने गए थे।

मेरा देश और उसका हित सबसे पहले, पहलगाम हमले के बीच क्यों ट्रोल हुए नीरज चोपड़ा, आलोचकों को अब दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीरज चोपड़ा ने 24 मई को बेंगलुरु में होने वाले एनसी क्लासिक में पाकिस्तानी भाला फेंक खिलाड़ी अरशद नदीम को आमंत्रित करने के लिए हुई आलोचना का जवाब दिया। भारत में विश्व एथलेटिक्स ए-लेवल इवेंट के आयोजक के रूप में नीरज ने दुनिया भर के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ियों को आमंत्रित करने की जिम्मेदारी संभाली। अरशद नदीम के मौजूदा ओलंपिक चैंपियन होने के कारण, नीरज ने उन्हें इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया, जो भारत में अपनी तरह का पहला कुलीन अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स आयोजन था।

हालांकि, कश्मीर के पहलगाम में हुए घातक आतंकवादी हमले के मद्देनजर, जिसमें 26 भारतीय- 25 पर्यटक और एक स्थानीय- मारे गए, नीरज को नेटिज़न्स से कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा, जिसमें कई लोगों ने उनकी देशभक्ति पर भी सवाल उठाए। घृणा और गालियों से आहत होकर, ओलंपिक स्वर्ण और रजत पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी ने सोशल मीडिया पर उन लोगों का मुकाबला किया, जिन्होंने उनकी ईमानदारी पर सवाल उठाया था।

नीरज ने एक्स पर एक बयान में लिखा, मैं आमतौर पर कम बोलता हूं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं जो गलत समझता हूं उसके खिलाफ नहीं बोलूंगा। खासकर तब जब बात हमारे देश के प्रति मेरे प्यार और मेरे परिवार के सम्मान और प्रतिष्ठा पर सवाल उठाने की आती है। नीरज ने कहा, क्लासिक में प्रतिस्पर्धा करने के लिए अरशद नदीम को आमंत्रित करने के मेरे फैसले के बारे में बहुत चर्चा हुई है और इसमें से अधिकांश नफरत और गाली-गलौज ही है।

अरशद को आमंत्रित करने के पीछे अपनी स्थिति और विचार को स्पष्ट करते हुए, नीरज ने कहा, उन्होंने मेरे परिवार को भी इससे बाहर नहीं

रखा है। अरशद को दिया गया निमंत्रण एक एथलीट से दूसरे एथलीट को दिया गया था - न ज़्यादा, न कम। एनसी क्लासिक का उद्देश्य भारत में सर्वश्रेष्ठ एथलीटों को लाना और हमारे देश को विश्व स्तरीय खेल आयोजनों का घर बनाना था। पहलगाम में आतंकवादी हमले से दो दिन पहले, सोमवार को सभी एथलीटों को निमंत्रण भेजा गया था।

उन्होंने आगे लिखा कि पिछले 48 घंटों में जो कुछ भी हुआ है, उसके बाद एनसी क्लासिक में अरशद की उपस्थिति पूरी तरह से सवाल से बाहर थी। मेरा देश और उसका हित हमेशा पहले आएगा। उन्होंने आगे लिखा, जो लोग अपने लोगों के नुकसान से गुज़र रहे हैं, उनके लिए मेरी संवेदनाएँ और प्रार्थनाएँ हैं। पूरे देश के साथ-साथ, जो कुछ हुआ है, उससे मैं भी आहत हूँ और क्रोधित हूँ। मुझे पूरा भरोसा है कि हमारे देश की प्रतिक्रिया एक राष्ट्र के रूप में हमारी ताकत दिखाएगी और न्याय मिलेगा। मुझे दुख होता है कि मुझे लोगों को अपने बारे में बताना पड़ता है। 27 वर्षीय इस युवा ने अपनी भावनाएँ नहीं छिपाईं, क्योंकि लोगों ने भारत के प्रति उनकी देशभक्ति पर सवाल उठाए थे।

विराट कोहली ने बाबर आजम के वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरसीबी ने गुरुवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 205 रन बनाए हैं। इस दौरान बेंगलुरु की ओर से विराट कोहली ने 50 और देवदत्त पडिक्कल ने 50 रन का योगदान दिया। कोहली ने 42 गेंद की पारी में आठ चौके और दो छक्के जड़े। विराट कोहली का आईपीएल 2025 में ये चौथा अर्धशतक है, इसी के साथ कोहली ने टी20 क्रिकेट में पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

बेंगलुरु के लिए फिल साल्ट ने 26 रन, टिम डेविड ने 23 रन और जितेश शर्मा ने नाबाद 19 रन का योगदान दिया। विराट कोहली टी20 क्रिकेट में पहले बैटिंग करते हुए सबसे ज्यादा 50 प्लस स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम को पीछे छोड़ा। विराट कोहली ने टी20 क्रिकेट में 62वीं बार पचास से ज्यादा का स्कोर बनाया है। बाबर आजम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए टी20 क्रिकेट में 61 बार 50 प्लस स्कोर बनाया है। विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल ने 57 बार ये कारनामा किया है। डेविड वॉर्नर ने 55 और जोस बटलर ने 52 बार ये मुकाम हासिल किया। फाफ डुप्लेसी ने 52 बार इस उपलब्धि को हासिल किया। आरसीबी ने विराट कोहली और देवदत्त पडीक्कल के अर्धशतकों की मदद से राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पांच विकेट पर 205 रन बनाए। कोहली ने 42 गेंद की पारी में आठ चौके और दो छक्के जड़े जबकि पडिक्कल ने 27 गेंद खेलते हुए चार चौके और तीन छक्के जमाए।

यशस्वी ने तीन मैचों में पहली ही गेंद पर छक्का लगाने का रिकार्ड बनाया

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले में पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है। अब यशस्वी तीन आईपीएल मैचों में पहली ही गेंद पर छक्का लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गये हैं। इस सूची में विराट कोहली और मयंक अग्रवाल का नाम भी है। अब तक अब तक कुल मिलाकर आठ बल्लेबाजों ने आईपीएल मैच की पारी की पहली गेंद पर ही छक्का मारा है पर यशस्वी ही एकमात्र क्रिकेटर हैं जिन्होंने यह कारनामा तीन बार किया है।

आरसीबी के खिलाफ पारी की शुरुआत करते आए यशस्वी ने 206 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भुवनेश्वर कुमार की पहली गेंद पर बड़ा छक्का मारा। यशस्वी ने पहले भी दो मैच में पहली गेंद पर ही छक्का लगाया था। अब तीसरी बार यह कमाल कर उन्होंने बाकी बल्लेबाजों को पीछे छोड़ दिया है।

वहीं नमन ओझा मयंक अग्रवाल, सुनील नरेन, विराट कोहली, रॉबिन उथप्पा, फिल साल्ट और प्रियांश आर्या ने भी एक बार पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था। वहीं राजस्थान रॉयल्स की टीम को इंडियन प्रीमियर लीग में लगातार 5वीं हार मिली जिससे उसके प्लेऑफ की राह अब कठिन हो गई है।

पहलगाम हमले के बाद बीसीसीआई का बड़ा कदम, पाकिस्तान मैचों को लेकर आईसीसी को पत्र लिखा-रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को घातक आतंकवादी हमला हुआ है, जिसमें 26 मासूम पर्यटकों की जान चली गई थी। इस हमले के बाद भारत सरकार ने कई कड़े कदम पाकिस्तान के खिलाफ उठाए है। इसी कड़ी में कार्रवाई करते हुए अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को एक पत्र लिखकर एक बड़ा कदम उठाया है। आईसीसी को लिखे इस पत्र में बीसीसीआई ने आग्रह किया है कि वे आईसीसी टूर्नामेंटों में भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में न रखें। क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई अब भारत और पाकिस्तान के बीच कोई मुकाबला खेलना नहीं चाहता है। कम से कम आईसीसी के टूर्नामेंट में बीसीसीआई भारत-पाक के बीच कोई मुकाबला नहीं चाहता है। वैसे आईसीसी का अगला टूर्नामेंट सितंबर में खेला जाना है। इस टूर्नामेंट में भारत महिला वनडे विश्व कप की मेजबानी करेगा। पाकिस्तान ने आठ टीमों के टूर्नामेंट में जगह बना ली है, जहां प्रत्येक टीम राउंड-रॉबिन प्रारूप में अन्य सभी प्रतिभागियों के खिलाफ खेलेगी। पूर्व-निर्धारित व्यवस्था के अनुसार,

पाकिस्तान भारत में अपना कोई भी मैच नहीं खेलेगी, तथा मेजबान देश ने अभी तक तटस्थ स्थल पर निर्णय नहीं लिया है। इससे पहले बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने पुष्टि की थी कि बीसीसीआई भारत सरकार के फैसले का ही पालन करेगा। मगर रिपोर्ट में कहा गया कि बीसीसीआई के एक शीर्ष अधिकारी ने वेबसाइट को बताया कि यह घटनाक्रम उनके लिए नई बात है।

पुरुष क्रिकेट का अगला आईसीसी टूर्नामेंट 2026 में होगा। इस टूर्नामेंट का आयोजन फरवरी और मार्च के बीच भारत और श्रीलंका में टी20 विश्व कप का आयोजन किया जाएगा। हालांकि, बीसीसीआई के लिए तत्काल चिंता एशिया कप है, जो सितंबर में भारत की मेजबानी में आयोजित किया जाएगा।

हालांकि, वेबसाइट पर ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि एशियाई क्रिकेट परिषद ने एशिया कप के मीडिया अधिकार बेच दिए हैं - जिसकी कीमत चार संस्करणों के लिए 170 मिलियन डॉलर है - यह इस अनौपचारिक समझौते पर आधारित है कि प्रत्येक संस्करण में कम से कम दो भारत-पाकिस्तान मैच होंगे, और यदि दोनों टीमें फाइनल में भिड़ती हैं तो तीसरे मैच की भी संभावना है। मीडिया अधिकार सौदा फ्रंट-या बैक-लोडेड की तुलना में मध्यम-भारी है, जिसका अर्थ है कि 2025 संस्करण की लागत 42.5 मिलियन डॉलर के औसत मूल्य के बजाय लगभग 38 मिलियन डॉलर होगी। 2023 में आयोजित महाद्वीपीय टूर्नामेंट के पिछले संस्करण में, भारत और पाकिस्तान दो बार एक-दूसरे से भिड़े थे - एक बार ग्रुप चरण में और एक बार सुपर फोर में। दूसरा मैच बारिश के कारण रद्द हो गया क्योंकि पाकिस्तान फाइनल में जगह बनाने में असफल रहा। भारत ने फाइनल में श्रीलंका को हराकर टूर्नामेंट जीता।

रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला गया कि हालांकि एशिया कप का ड्रा मई में घोषित होने की उम्मीद है, लेकिन एशियाई क्रिकेट परिषद को ड्रा और स्थल दोनों के लिए अपने विकल्पों पर विचार करने में समय लग सकता है। इसमें कहा गया है, आम धारणा यह है कि कोई भी अंतिम निर्णय भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा तनाव के बढ़ने या घटने पर निर्भर करेगा।

विराट कोहली ने लगाई बड़ी छलांग, अब इस खिलाड़ी से है ऑरेंज कैप की जंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले अब आगे बढ़ते जा रहे है। ऑरेंज कैप को लेकर अब जंग काफी रोचक हो रही है। आईपीएल में ऑरेंज कैप की जंग अब काफी गंभीर होती जा रही है। लखनऊ सुपर जायंट्स के निकोलस पूरन ऑरेंज कैप को लेकर लीड बनाए हुए थे।

हालांकि बीते कुछ मैचों में उनका बल्ला नहीं चल रहा है। अब निकोलस तीसरे नंबर पर आ गए हैं। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने जैसे ही 70 रनों की शानदार पारी खेली वैसे ही वो ऑरेंज कैप के हकदार खिलाड़ियों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर का बिज हो गए हैं।

आईपीएल सीजन 2025 में साई सुदर्शन ने सबसे अधिक रन बनाए है। वर्तमान में साई सुदर्शन ही ऑरेंज कैप के हकदार बने हुए है। गुजरात टाइटंस के साई ऑरेंज कैप की रेस में शीर्ष पर है। अबतक आठ मुकाबलों में साई के बल्ले से 417 रन निकले है। इस सीजन में सिर्फ साई ही वो बल्लेबाज हैं जिनके बल्ले से 400 से अधिक रन निकले है। हालांकि अब विराट कोहली भी इसके काफी पास पहुंच गए है।

विराट कोहली अब ऑरेंज कैप की लिस्ट में दूसरे पायदान पर पुहंच गए है। इस वर्ष नौ मैचों में विराट के बल्ले से 392 रन निकले है। मगर अबतक 400 का आंकड़ा उनका बल्ला पार नहीं कर सका है। इस सीजन में विराट के बल्ले से पांच अर्धशतक निकल चुके है। वहीं तीसरे पायदान पर निकोलस पूरन हैं जो नौ मैचों में 377 रन जड़ चुके है।

लसिथ मलिंगा के बड़े रिकॉर्ड पर जसप्रीत बुमराह की नजरें

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले के दौरान दिग्गज लसिथ मलिंगा के सबसे ज्यादा विकेट लेने के रिकॉर्ड की बराबरी की। हैदराबाद के स्टार बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन का विकेट लेने वाले बुमराह ने टी20 क्रिकेट में 300 विकेट के आंकड़े को भी छुआ। टी30 करियर में 300 विकेट लेने वाले जसप्रीत बुमराह चौथे गेंदबाज बन गए हैं।

जसप्रीत बुमराह के अलावा अश्विन (315), भुवनेश्वर कुमार (318) और युजवेंद्र चहल (373) टी20 क्रिकेट में 300 से ज्यादा हासिल कर चुके हैं। बुमराह ने गुरुवार को राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के दौरान ये उपलब्धि हासिल की। उन्होंने चार ओवर में 39 रन देकर हेनरिक क्लासेन का बड़ा विकेट लिया, जोकि 44 गेंद में 71 रन बनाकर आउट हुए।

आईपीएल 2025 में जसप्रीत बुमराह ने पांच मैचों में पांच विकेट लिए हैं। हैदराबाद के खिलाफ एक विकेट लेकर बुमराह ने मुंबई इंडियंस के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में लसिथ मलिंगा के रिकॉर्ड की बराबरी की। जसप्रीत बुमराह और लसिथ मलिंगा ने मुंबई के लिए 170 विकेट चटकाए हैं। मलिंगा का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए बुमराह को सिर्फ एक विकेट की दरकार है। लसिथ मलिंगा इस समय मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाजी कोच हैं।

इसके साथ ही बुमराह आईपीएल इतिहास में संयुक्त रूप से आठवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। मलिंगा ने 122 पारियों में 170 विकेट लेने का कारनामा किया था, जबकि बुमराह ने 138 पारी ली। मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद का सात विकेट से हराकर पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर जगह बना ली है।

एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट के लिए ओलंपिक की तरह-स्टीव वॉ

सिडनी (एजेंसी)। टी20 क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता के बाद पिछले कुछ साल में एक दिवसीय क्रिकेट का आकर्षण घटा है। ऐसे में एकदिवसीय क्रिकेट के भविष्य पर भी सवाल उठने लगे है। जहां कई दिग्गजों का मानना है की आने वाले समय में एकदिवसीय क्रिकेट प्रासंगिक नहीं रहेगा। वहीं दूसरी ओर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव वॉ का मानना है कि एकदिवसीय प्रारुप का महत्व आगे भी बना रहेगा। उन्होंने कहा कि एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट के लिए ओलंपिक के समान है। वॉ ने माना है कि छोटे प्रारूपों के बढ़ते दबाव से इसपर प्रभाव पड़ा है लेकिन इसके बाद भी 2023 विश्व कप भारी तादाद में लोगों ने देखा था। उन्होंने कहा कि हर किसी को लगता है कि एकदिवसीय क्रिकेट नहीं बचेगा पर सच ये है कि इसकी रेटिंग काफी ऊंची है

और उसे लोग पसंद करते हैं। विश्व कप के बाद फिर इसमें रुचि कम हो जाती है और फिर बढ़ती है। यही हालात बने रहते हैं। वॉ ने कहा कि हम इस समय तीनों प्रारूपों में जैसे तैसे संतुलन देख रहे हैं। फिर टी10 का भी दबाव है जिससे चार प्रारूप हो सकते हैं। पता नहीं कैसे चलेगा पर अभी तो चल रहा है। उन्होंने कहा कि एकदिवसीय विश्व कप क्रिकेट के लिए अहम है। यह ओलंपिक की ही तरह है। हर चार साल में विश्व कप खेलना। लॉस एंजिलिस में 2028 में होने वाले ओलंपिक में सौ से अधिक साल बाद क्रिकेट की वापसी होगी।

सभी टेस्ट खिलाड़ियों के लिए समान मैच फीस की वकालत करते हुए वॉ ने कहा कि टेस्ट मैच खेलने वाले हर खिलाड़ी को समान पैसा मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि मेरी कोई नहीं सुनता लेकिन मैंने 1999 में एक लेख में यह बात कही थी। टेस्ट मैच में मैच फीस समान होनी चाहिए। विश्व क्रिकेटर्स संघ के एक हालिया अध्ययन में कहा गया है कि वैश्विक क्रिकेट राजस्व का 38.5 प्रतिशत बीसीसीआई को मिलता है। इसमें व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम पर भी बात की गई है जिससे खिलाड़ियों का कार्यभार प्रबंधन मुश्किल हो रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्चुअल माध्यम से लोकार्पण किया

न्यायालयिक विज्ञान लैब का शुभारंभ, अब जबलपुर-सागर नहीं भेजना पड़ेगा सैंपल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा संभाग को आज नई न्यायालयिक विज्ञान प्रयोग शाला की सुविधा मिल गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्चुअल माध्यम से इसका लोकार्पण किया। पुलिस लाइन के पास स्थापित इस प्रयोग शाला पर 6.76 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं, जिसमें 3.66 करोड़ भवन निर्माण और 3.10 करोड़ उपकरणों पर व्यय हुए हैं।

न्यायालयिक विज्ञान प्रयोग शाला के निदेशक शशिकांत शुक्ला ने संभाग के सभी पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए हैं कि आज से सभी फोरेंसिक जांच के नमूने जबलपुर के बजाय रीवा लैब में जमा कराएं।

नई लैब में रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज और मैहर जिलों के मामलों की जांच होगी। टॉक्सिकोलॉजी शाखा में सर्पदंश और विष संबंधी, रसायन शाखा में मादक पदार्थ और लोकायुक्त के रिश्वत प्रकरण, तथा बायोलॉजी शाखा में हत्या और बलात्कार जैसे गंभीर अपराधों में शारीरिक नमूनों की जांच की जाएगी।अब तक रीवा संभाग को फोरेंसिक जांच के लिए सागर या जबलपुर जाना पड़ता था और रिपोर्ट के लिए महीनों इंतजार करना पड़ता था। नई लैब से जांच रिपोर्ट जल्द मिलने से न्यायालय समय सीमा में प्रकरणों का निराकरण कर सकेंगे। लैब में वैज्ञानिक अधिकारियों और कर्मचारियों की नियुक्ति पहले ही कर दी गई है।

रीवा में सिलपरा नहर में मिला युवक का शव, हुई थी मारपीट

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।बिछिया थाना क्षेत्र अंतर्गत सिलपरा नहर में टरबाइन के पास एक युवक का शव मिला है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नहर से निकलवाया और पीएम के लिए भेज दिया। साथ ही मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। वहीं परिजनों ने घटना को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। जानकारी के मुताबिक सिलपरा निवासी प्रेमलाल चतुर्वेदी गुरुवार दोपहर करीब 11 बजे घर से निकले थे, जिसके बाद आज उनका शव सिलपरा नहर में पाया गया। परिजनों ने बताया कि प्रेमलाल के साथ गांव के ही कुछ लोगों द्वारा मारपीट की गई थी, जिसके बाद उन्होंने घर आकर घटना की जानकारी दी। और उसके बाद नहर की तरफ चले गए। बताया गया है कि मारपीट की घटना से प्रेमलाल काफी दुखी थे, आशंका जताई जा रही है कि इसी वजह से उन्होंने यह कदम उठाया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

मेडिकल कॉलेज में खुलेगा प्रदेश का तीसरा स्किन बैंक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। श्यामशाह मेडिकल कालेज रीवा में प्रदेश का तीसरा स्किन बैंक खुलने जा रहा है। [ड्डस्र्र] लंबे समय से रीवा में इसकी मांग की जा रही थी। क्योंकि बर्न यूनिट अलग से स्थापित होने के बाद भी स्किन की प्लास्टिक सर्जरी नहीं हो पाती थी। अब स्किन बैंक खुलने से मरीजों को यह सुविधाएं रीवा में ही मिल पाएंगी। स्किन बैंक एक विशेष चिकित्सा सुविधा है जहां मृत व्यक्ति से त्वचा का दान प्राप्त किया जाता है, जिसे फिर से प्रोसेस कर जलने के रोगियों और अन्य त्वचा संबंधी समस्याओं के उपचार में उपयोग किया जाता है। इसमें उन मरीजों की स्किन भी ली जाएगी जो अस्पतालों में उपचार के दौरान ही ब्रेन डेड या फिर कार्डियक डेड हो जाते हैं। इसकी जल्द ही शुरुआत रीवा में की जाएगी। बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग की देखरेख में यह शुरुआत की जा रही है।मेडिकल कालेज प्रबंधन ने उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला से भी समय मांगा है, उनके हाथों ही इसकी शुरुआत कराने की तैयारी की जा रही है। संभावना है कि 27 अप्रेल को इसकी शुरुआत हो जाएगी।

पीड़ित का घर से निकलना हुआ मुश्किल, एसपी से सुरक्षा की गुहार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के गोविंदगढ़ थाना अंतर्गत ग्राम छिरेहटा निवासी विजय सेन गांव के ही दबंग की शिकायत लेकर एसपी ऑफिस पहुंचा। [18] पीड़ित ने परिवार सहित पहुंच कर एसपी से सुरक्षा की गुहार लगाई है। दरअसल पीड़ित के घर में 22 अप्रैल को चोरी की घटना हुई थी। इस दौरान ड्रोन कैमरा, कैमरा, लैपटॉप व सोने-चांदी के गहने चोरी हुए थे। जिन्हे लेकर भागते हुए गांव के ही लक्ष्मीनारायण मिश्रा सहित दो अन्य साथियों को घरवालों ने देखा था। जिसकी सूचना थाना गोविन्दगढ़ को दी गई, लेकिन पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई। हालांकि चोरी गया सामान 24 अप्रैल को गहाई के दौरान खलिहान में मिल गया, जिसे आरोपियों ने गेहूं के डांठ में छिपा दिया था। जिसकी सूचना पीड़ित ने थाना गोविन्दगढ़ को दी, पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद सामान पीड़ित के सुपुर्द कर दिया। लेकिन पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। जिसका नतीजा है कि आरोपी द्वारा पीड़ित परिवार को जान से मरने की धमकी दी जा रही है। पीड़ित परिवार का घर से निकलना मुश्किल हो गया है।

कार की टक्कर से हवा में उछली बाइक, युवक गंभीर रूप से घायल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के बैकुंठपुर मार्ग पर ग्राम माड़व के समीप एक भीषण हादसा हो गया। जहां एक तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। युवक को उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल पहुंचाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो बाइक सड़क पर लहराते हुए चल रही थी, इस बीच कार सवार ने बाइक को दो बार बचाने का प्रयास किया लेकिन बाइक चालक की लापरवाही के कारण तीसरी बार अचानक सामने आई बाइक को कार ने टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक तकरीबन 10 फीट ऊपर हवा में उछलकर दूर जा गिरी। घायल युवक की पहचान ग्राम देहिया निवासी किशन पांडे के रूप में हुई है। जिसे राहगीरों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया है।

रीवा शहर के ट्रांसपोर्ट नगर में लॉजिस्टिक्स हब बनाया जाएगा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।शहर के ट्रांसपोर्ट नगर में लॉजिस्टिक्स हब बनाया जाएगा। जिससे शहर में यातायात व्यवस्था सुगम होगी नगर निगम कमिश्नर सौरभ सोनवणे ने बताया कि जल्दी इसका टेंडर किया जाएगा। बतादें कि ट्रांसपोर्ट नगर में रीवा शहर का पहला लॉजिस्टिक्स हब बनाया जाएगा। लॉजिस्टिक्स हब एक केंद्रीय स्थान होता है जहां माल को विभिन्न परिवहन साधनों जैसे रेल, सड़क और हवाई मार्ग से इकट्ठा, सॉर्ट, स्टोर और वितरित किया जाता है। यह लॉजिस्टिक्स संचालन के लिए एक केंद्रीय बिंदु के रूप में कार्य करता है, जिसमें कई अलग-अलग कंपनियों को एक साथ लाया जाता है जो माल के प्रवाह से संबंधित कार्य करती हैं।

बघेली कलाकार अविनाश तिवारी विवादित ऑडियो वायरल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में बघेली कलाकार अविनाश तिवारी का एक विवादित ऑडियो सोशल मीडिया में सुर्खियां बटोर रहा है। [23] ऑडियो में अविनाश द्वारा गोविंद पांडे नामक व्यक्ति को भद्दी-भद्दी गाली देते हुए सुना जा सकता है। इस मामले में उनके विरुद्ध थाना में शिकायत दर्ज की गई है। आरोप है कि बघेली फिल्मों एवं नाटकों में अभिनय करने वाले अविनाश तिवारी ने गोविंद पांडेय निवासी बरा कोठार को चेक दिया था। उक्त चेक बाउंस होने पर गोविंद पांडे ने न्यायालय में परिवाद दायर कर दिया। इससे अविनाश तिवारी बौखला गए और फोन पर गोविंद पांडेय को अश्लील गालियां देते हुए धमकी भी दी। गाली-गलौज का यह ऑडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया है। गोविंद पांडे द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई है।

भू अर्जन के प्रकरण तय समय सीमा में निराकृत करें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने भू अर्जन प्रकरणों की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार भू अर्जन के प्रकरणों का तय समय सीमा में निराकरण करें। भू स्वामियों को मुआवजा राशि का वितरण करके संबंधित विभाग को निर्माण कार्य के लिए जमीन उपलब्ध कराएं। अर्जित की गई भूमि पर संबंधित विभाग का नाम खसरे में दर्ज करें। भू अर्जन के कारण किसी भी परियोजना के शुरू होने में देरी न हो। टमस समूह नलजल योजना की टंकियों तथा अन्य निर्माण कार्यों के लिए भू अर्जन पूरा कराएं। कार्यपालन यंत्री राष्ट्रीय राजमार्ग रीवा-सीधी फोरलेन निर्माण के लिए आवश्यक जमीनों के प्रस्ताव प्रस्तुत कर मई माह तक टेण्डर की कार्यवाही पूरी कराएं।

कलेक्टर ने कहा कि कई पुलों में एप्रोच रोड के लिए छोटी-छोटी जमीनों की आवश्यकता है। इनमें भू अर्जन की कार्यवाही करके एप्रोच रोड का निर्माण कराएं जिससे पुलों में आवागमन शुरू हो सके। त्योंथर सूक्ष्म दबाव सिंचाई परियोजना में जवा तथा त्योंथर में भू अर्जन के कई प्रकरण लंबित हैं। इन अनुभागों के एसडीएम भू अर्जन के प्रकरणों का निराकरण कर जल संसाधन विभाग को निर्माण कार्य के लिए भूमि उपलब्ध कराएं। एसडीएम जवा जल संसाधन विभाग द्वारा उपलब्ध राशि का किसानों को तत्काल वितरण कराएं। कलेक्टर ने भू अर्जन प्रकरणों में लापरवाही बरतने पर एसडीएम जवा एवं पटवारी चौखण्डी के विरूद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए। बैठक में बेला-सिलपरा रिंग रोड, नईगढ़ी सिंचाई परियोजना, लोक निर्माण विभाग, सेतु विकास निगम, एनएचआई, मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम, ललितपुर-सिंगरौली रेलवे लाइन तथा जल संसाधन विभाग से संबंधित भू अर्जन प्रकरणों की समीक्षा की गई। बैठक में संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय, एसडीएम त्योंथर संजय जैन, एसडीएम गुढ़ डॉ अनुराग तिवारी, संयुक्त कलेक्टर श्रेयस गोखले तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

रीवा जोन में आईजी की रणनीति से अपराधों में आई 24.58 % गिरावट

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जोन में कानून-व्यवस्था की स्थिति अब पहले से काफी बेहतर हो गई है। रीवा जोन के आईजी गौरव राजपूत के नेतृत्व में अपराध नियंत्रण को लेकर चलाए जा रहे विशेष अभियान और रणनीतियों के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं।

1 अप्रैल से 15 अप्रैल 2025 तक के आंकड़े दर्शाते हैं कि भादवि के अंतर्गत आने वाले अपराधों में रीवा जोन में कुल 24.58 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है।जिलेवार आंकड़ों पर नजर डालें तो रीवा में 22.84 प्रतिशत, सिंगरौली में 31.74 प्रतिशत, सीधी में 31 प्रतिशत, सतना में 22 प्रतिशत, मऊगंज में 12 प्रतिशत और मैहर में 16.40 प्रतिशत की कमी आई है। आईजी द्वारा अपनाई गई सख्त कार्यशैली के कारण गत पक्षिक की अपेक्षा इस पाक्षिक में रीवा जोन के अंतर्गत आने वाले सभी जिलों में यह गिरावट आई है।

कलेक्टर मऊगंज ने अवैध उत्खनन करने वाले पर लगाया 1 करोड़ 50 लाख का जुर्माना

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन ने अवैध उत्खनन तथा परिवहन करने वाले सुशील कुमार पटेल निवासी ग्राम गोपला पर एक करोड़ 50 लाख 16 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। जुर्माने की राशि तत्काल जमा न करने पर इसकी दोगुनी राशि की वसूली की जाएगी। इस संबंध में कलेक्टर ने बताया कि ग्राम गोपला तहसील हनुमना में खसरा नम्बर 601/1 में अवैध फर्शी पत्थर उत्खनन की शिकायत मिली थी। शिकायत की ग्राम पंचायत के सरपंच तथा अन्य ग्रामवासियों की उपस्थिति में जाँच कराई गई। जाँच में 8550 घन मीटर पत्थर का उत्खनन पाया गया। मौके पर 4000 घन मीटर मलवा तथा 16 घन मीटर फर्शी पत्थर लावारिस पाया गया। फर्शी पत्थर के अवैध उत्खनन तथा परिवहन का प्रकरण दर्ज करके मध्यप्रदेश खनिज नियम 2022 के प्रावधानों के तहत कार्यवाही की गई। आरोपी सुशील कुमार पटेल पर पत्थर उत्खनन की खनिज रायल्टी की 15 गुना राशि तथा पर्यावरण क्षतिपूर्ति की राशि का आकलन कर एक करोड़ 50 लाख 16 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

समग्र ई केवाईसी में लापरवाही पर 6 अधिकारियों को मऊगंज कलेक्टर ने जारी किया नोटिस

कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन ने 6 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस दिया है। नोटिस का तीन दिवस में संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने पर एक पक्षीय अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। शासन के निर्देशों के अनुसार पात्र परिवारों की समग्र ई केवाईसी को अपडेट कराने तथा सत्यापन में लापरवाही बरतने पर नोटिस दिया गया है। कलेक्टर ने कहा है कि निर्देशों का पालन न करने तथा ई केवाईसी कराने में रूचि न लेने से जिले की रैंकिंग में गिरावट आई है। कलेक्टर ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत नईगढ़ी कल्पना यादव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मऊगंज रामकुशल मिश्रा तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत हनुमना को नोटिस दिया है। कलेक्टर ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी नईगढ़ी हेमंत त्रिपाठी, मऊगंज संतोष सिंह तथा हनुमना अरूण त्यागी को भी कारण बताओ नोटिस दिया है।

जल रैली, संगोष्ठी और जल चौपाल से दिए जा रहे जल संरक्षण के संदेश

जिले भर में जल गंगा संवर्धन अभियान में हो रहे जल संरक्षण के कार्य

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा और मऊगंज जिले में 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जल रैली, जल चौपाल, संगोष्ठी तथा अन्य कार्यक्रमों से जल संरक्षण के संदेश दिए जा रहे हैं। ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़े महिला स्वसहायता समूह एवं जन अभियान परिषद से जुड़े सामाजिक संगठन गांव-गांव में जल रैली निकाल रहे हैं। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने बताया कि विकासखण्ड जवा में जल चौपाल का आयोजन किया गया। जल चौपाल में वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी अनुज कुमार सिंह तथा सरपंच ग्राम पंचायत कल्याणपुर सुरेन्द्र सिंह ने पानी के महत्व और इसके संरक्षण के उपायों की जानकारी दी। सिरमौर विकासखण्ड के ग्राम कपसा तथा मझियार में महिला स्वसहायता समूहों ने संगोष्ठी एवं जल रैली निकालकर आमजनता को जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया।

जल गंगा संवर्धन अभियान में परंपरागत जल स्त्रोतों की सफाई तथा जल संरचनाओं में सुधार के कार्य लगातार किए जा रहे हैं। रायपुर कर्चुलियान विकासखण्ड की ग्राम पंचायत रामनई में प्राचीन महादेव तालाब के जीर्णोद्धार एवं सौन्दर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। जनपद के अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी गोविंद नारायण श्रीवास्तव ने इसका निरीक्षण करके निर्माण के संबंध में निर्देश दिए। उद्योग विभाग की पहल से औद्योगिक क्षेत्र चोरहटा में तीन औद्योगिक इकाईयों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाए जा रहे हैं। जनपद पंचायत त्योंथर में ग्राम चंदाई में स्टाप डैम और खेत तालाब का निर्माण किया जा रहा है। मऊगंज जिले की नईगढ़ी जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत फूलकरण सिंह में पंचायत भवन तथा स्कूल भवन में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाया जा रहा है। ग्राम पंचायत जतरी में जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने खेत तालाब निर्माण और पर्कुलेशन टैंक निर्माण का निरीक्षण किया। विकासखण्ड सिरमौर में ग्राम पंचायत शाहपुर में महिला स्वसहायता समूहों ने जल संगोष्ठी आयोजित कर तालाब की साफ-सफाई में श्रमदान किया। इसी तरह पूरे जिले में जल संरक्षण के कार्य कराए जा रहे हैं।

सतना में भाजपा नेता पर छेड़छाड़ और धमकाने के आरोप

पीड़िता बोली- लड़के भेजकर धमकाया; पूर्व जिलाध्यक्ष ने कहा- महिला ब्लैकमेल कर रही

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सतीश शर्मा पर महिला से छेड़छाड़ और मानसिक प्रताड़ित करने के आरोप लगे हैं। महिला ने गुरुवार को कोलगवां थाने में शिकायत दर्ज कराई है। वहीं, शर्मा का कहना है कि महिला उन्हें ब्लैकमेल कर रही है। उन्हें बदनाम करने की साजिश की जा रही है।

महिला का आरोप है कि पूर्व जिलाध्यक्ष ने चाय पीने के बहाने घर में घुसकर जबरदस्ती की कोशिश की थी। विरोध करने पर धमकाया। पिछले 4 साल से लगातार धमकियां दे रहे हैं। भाजपा नेता कहता है- मेरी सरकार है, मेरी सत्ता है, मेरे ही लोग बैठे हैं, मेरा कुछ नहीं होगा और तुम जैसियों की लाश जंगल में कटी मिलती है।

छेड़खानी का विरोध करने पर आरोपी ने उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। कई बार उसे घर आकर धमकाया। महिला का कहना है कि इस बात के गवाह उसके बच्चे हैं।

सतीश शर्मा की वॉट्सएप चैट के स्क्रीनशॉट्स वायरल हो रहे हैं। इसमें उनकी तरफ से पीड़िता को मैसेज किए गए हैं। दोनों की एक सेल्फी भी वायरल हो रही है, जिसे लेकर शर्मा का कहना है कि ये सेल्फी पत्रकारवार्ता के बाद खींची थी।

महिला से उधार दिए रुपए मांगे तो ब्लैकमेल करने लगी

सतीश शर्मा ने कहा, 2023 में जब मैं जिलाध्यक्ष था, उस दौरान पार्टी कार्यालय में पत्रकारवार्ता के दौरान मेरी मुलाकात महिला से हुई थी। इसके बाद एक दिन उसका फोन आया कि उसका आपरेशन होना है, मदद की जरूरत है। मैंने अपने मित्र से 25 हजार रुपए उधार दिला दिए। कई महीने बाद जब रुपए वापस मांगे तो उसने कहा- मैं पत्रकार हूं, महिला हूं, फंसा दूंगी।

पहले भी विवादों में घिर चुके पूर्व जिलाध्यक्षः भोजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सतीश शर्मा इससे पहले भी अश्लील चैटिंग की वजह से सुर्खियों में रहे हैं। पार्टी की एक महिला कार्यकर्ता से वॉट्सएप पर उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी और सांसद गणेश सिंह के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं।

सोशल मीडिया पर ये चैट के स्क्रीनशॉट्स वायरल हुए थे। महिला कार्यकर्ता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में शर्मा पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया था, लेकिन न तो पुलिस में शिकायत की और न ही किसी अन्य फोरम में मामला उठाया।

अवैध पटिया से भरा डंपर पलटा, चार मजदूर घायल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शुक्रवार को अवैध पत्थर पटिया से भरा डंपर बेकाबू होकर पलट गया। घटना में डंपर में सवार चार मजदूर पटिया के नीचे आने से गंभीर रूप से घायल हो गए। खनन कारोबारी ने घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार डंपर में बिना अनुमति के खनन किया हुआ पत्थर लदा था।

घटना नागौद-जसो मार्ग पर शुक्रवार सुबह हुई। डंपर क्रमांक एमपी 17 जी 1139 में पत्थर पटिया लोड था। दुर्घटना में घायल हुए मजदूरों में विजय (पिता प्रीतम), फग्गू (पिता रामपाल), कल्लू (पिता भैया लाल) और ब्रिजेश (पिता भैया लाल) शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार डंपर से बिना अनुमति के खनन किया हुआ पत्थर पटिया का परिवहन किया जा रहा था। घटना की सूचना मिलते ही जसो थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन इससे पहले ही अवैध खनन कारोबारी ने घायल मजदूरों को नागौद के एक निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया।

डंपर दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद सभी मजदूर पटिया के नीचे दब गए। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद घायलों को बाहर निकाला। जिन्हें किसी प्रकार से बाहर निकालने के बाद नागौद के अस्पताल ले जाया गया। हादसे की वजह क्या थी फिलहाल है स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस मामले की तहकीकात में जुटी हुई है।

थाना प्रभारी रोहित यादव ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। खनन कारोबारियों ने घायल मजदूरों को निजी अस्पताल में भर्ती कराकर मामले को दबाने की कोशिश की। हादसे के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। सिविल अस्पताल से तहरीर आएगी तो घायलों के बयान लिए जाएंगे।

मैहर में अवैध शराब बिक्री रोकने एसपी ने जारी किया टोल फ्री नंबर

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर शुष्क क्षेत्र घोषित किया गया है, यहां शराबबंदी लागू है। ऐसे में अगर कहीं अवैध रूप से शराब बिकती पाई जाती है तो प्रशासन ने इसके प्रति सख्त एक्शन लेने तैयारी कर ली है। आम आदमी 7587635718 करके क्षेत्र में हो रही अवैध शराब बिक्री की शिकायत कर सकता है। नागरिक इस नंबर पर शिकायत के साथ गूगल मैप की वीडियो या फोटो भी भेजेंगे तो पुलिस उस पर कार्रवाई करेगी। शुक्रवार सुबह एसपी सुधीर अग्रवाल ने इसी काम के लिए साइबर सेल के साथ 6 सदस्यीय विशेष टीम गठित की है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।